चैत्र नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 104 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 05 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

चैत्र नवरात्र

अष्टम महागौरी

आज अष्टांग योग की अधिष्ठात्री देवी महागौरी की पूजा-अर्चना होगी। सौभाग्य, धन-संपदा, सौंदर्य और स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवो महागौरी हैं। भगवान शिव ने मां काली पर गंगाजल छिड़का तो वह महागौरी हो गई। महागौरी सृष्टि का आधार एवं अक्षत सुहाग की प्रतीक हैं। देवी के इस रूप की पूजा-अर्चना विवाहित महिलाओं को अखंड सौभाग्य का फल प्रदान करती है।

उपासना मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सवार्थसाधिके। शरण्येत्रयंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।

वक्फ बोर्ड के नाम पर अब नहीं होगी लूट-खसोटः योगी

महाराजगंज में 654 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

महाराजगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज महाराजगंज जिले में चैत्र नवरात्रि के अष्टमी पर्व के अवसर पर कन्या पूजन किया। इस धार्मिक परंपरा के तहत, सीएम योगी ने नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें आशीर्वाद दिया और उन्हें विशेष रूप से भोजन कराया। इसके साथ ही, उन्हें उपहार देकर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने यहां आज 654 करोड़ की 629 योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

महाराजगंज में 48 करोड़ की लागत से बॉर्डर के करीब रोहिन बीयर बैराज का उद्घाटन शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। रोहिन बैराज का निर्माण अक्तूबर 2022 से शुरू हुआ था। नौतनवा तहसील क्षेत्र के रतनपुर के मिश्रौलिया में रोहिन नदी का डिजिटल बैराज बना है। इस अवसर पर हुई सभा में सीएम योगी ने

नवरात्रि की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश की तस्वीर बदली है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में यूपी का विकास तेजी से हुआ है। उत्तर प्रदेश अब देश की दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था का केन्द्र बन गया है। यहां रेल लाइन बिछ रही, हाईवे बन रहे, मेडिकल कॉलेज बन रहे, गांव-गांव पानी पहुंचा है, देश-प्रदेश में चौतरफा विकास हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन मिल रहा, आयुष्मान योजना से 5 लाख का इलाज फ्री हो रहा है साथ ही प्रदेशवासियों के लिए आवास, शौचालय बने हैं और बिजली के कनेक्शन मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अभी संसद में वक्फ बोर्ड को लेकर संसोधित बिल पास हुआ है। इस बिल के पास हो जाने के बाद अब जमीनों पर कोई कब्जा नहीं करेगा। पहले वक्फ बोर्ड के नाम पर लूट होती थी, वक्फ बोर्ड लूट का अड्डा बन गया था, अब विवादित जमीनों पर आवास बनेंगे, वक्फ की अवैध संपत्ति पर स्कूल बनेंगे, वक्फ से किसी का भी भला नहीं हुआ अब वक्फ के नाम पर मनमानी नहीं चलेगी।

बहलोलपुर में कबाड़ और ग्रेटर नोएडा में टायर कंपनी में लगी आग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सुरजपुर क्षेत्र में स्थित एक

टायर बनाने की कंपनी में देर रात को भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की 20 गाड़ियां आग बुझाने में लगी है। अभी तक आग पर पूर्ण रूप से काबू नहीं पाया जा सका है।वहीं नोएडा के बहलोलपुर में भी कबाड़ के अंदर आग लग गई।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित एमआरएल टायर की फैक्ट्री में रात अज्ञात कारण से आग लग गई। यह फैक्ट्री साइड बी औद्योगिक क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर दमकल विभाग की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंची। सीएफओ ने बताया कि देर रात से आज सुबह तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी है। रबर और केमिकल होने की वजह से आग रह-रहकर भड़क जाती है। आग पर 80 प्रतिशत काबू पाया गया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जन- हानि नहीं हुई है। सीएफओ ने बताया कि आसपास की कंपनियों में आग को फैलने से रोका गया है।

वहीं अपर पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि आज सुबह को सूचना मिलेगी की बहलोलपुर गांव में स्थित झुग्गी बस्ती में सुरेश और मलखान के कबाड़ का गोदाम है। वहां पर अज्ञात कारण से आग लग गई है।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर दमकल विभाग की 10 गाड़ियां पहुंची। आग पर काबू पा लिया गया है। कोई जन हानि की जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि आग के कारणो का पता लगाया जा रहा है। बताया जाता है की आग में कुछ झुग्गियां भी जल गई है।

सड़क दुर्घटना में हुई मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

सूरजपुर निवासी हरवीर सोलंकी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 3 अप्रैल की दोपहर को अपने घर से दुकान की तरफ आ रहा था। इस दौरान उसने देखा कि सड़क पर एक व्यक्ति को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस व एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान उक्त व्यक्ति की मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने हरवीर सोलंकी की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है।

हवन पूजन के साथ भाजपा अध्यक्ष ने संभाला पदभार

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने आज विधिवत हवन पूजन करके पार्टी कार्यालय में अपना पदभार संभाल लिया है।

सेक्टर 116 स्थित भाजपा कार्यालय में आज सुबह सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा अध्यक्ष ने पूजा अर्चना की तथा अपना कार्यभार ग्रहण किया इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं की एक बैठक करके भावी रणनीति पर मंथन किया गया।

इस अवसर पर सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा नोएडा के विधायक पंकज सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता हरिश्चंद्र भाटी, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष विमला बाथम, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, पूर्व विधायक मदन चौहान, जुगराज चौहान , क्षेत्रीय मंत्री विजेंद्र नागर, करतार सिंह चौहान, गिरिजा सिंह, अमित त्यागी, विनोद त्यागी, पूनम सिंह, उमेश त्यागी, उमेश पहलवान, रामनिवास यादव, डिंपल आनंद, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, युद्धवीर चौहान, भूपेश चौधरी, विनोद शर्मा, शिवांश श्रीवास्तव, धर्मेंद्र गुप्ता, महिला मोर्चा की अध्यक्ष शारदा चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, प्रवेश चौहान, शशिधर उपाध्याय समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

विवाद के चलते दो पक्षों में मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट में दोनों घायल हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

गली नंबर-31 के 25 फुटा रोड पर रहने वाली सुदामी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा अवनीत 29 मार्च को घर से दुकान पर सामान लेने के लिए गया था। इस दौरान हर्ष नामक युवक फूल लेने के नाम पर उसके साथ मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान हर्ष ने अवनीत के गाल पर बुरी तरह से काट कर उसे लहू लुहान कर दिया। गंभीर स्थिति में अवनीत को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वही हर्ष के पिता ने भी थाना सेक्टर 63 क्षेत्र में अवनीत सहित तीन युवकों पर चाकू से हमला कर हर्ष को गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

न्यू नोएडा के बोर्ड में बुलंदशहर के डीएम व खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष भी

नोएडा (चेतना मंच)। न्यू नोएडा के बोर्ड सदस्यों के रूप में अब गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के अलावा बुलंदशहर के जिलाधिकारी तथा बुलंदशहर व खुर्जा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को भी सदस्य नामित किया गया है।

दरअसल नोएडा प्राधिकरण एक ऑटोनोमस बॉडी है। यहां जो भी निर्णय लिए जाते है उसे बोर्ड मैंबर के सामने प्रस्तुत कर लिया जाता है। ऐसे में नोएडा प्राधिकरण डीएनजीआईआर की अधिकृत नोडल है। ऐसे में मुआवजा और अधिग्रहण से संबंधित सभी कार्य नोएडा प्राधिकरण करेगी। चूकी न्यू नोएडा के लिए अधिसूचित किए गए 60 गांव बुलंदशहर के है। इसलिए वहां के जिलाधिकारी को बोर्ड में शामिल किया जा रहा है।

प्राधिकरण ने डीएनजीआईआर के लिए अधिसूचित जमीन पर अवैध निर्माण को रोका जा रहा है। चेतावनी बोर्ड लगाए जा रहे है। नोटिफिकेशन की तारीख के सेटेलाइट मैप को ही आधार बनाएंगे। इस मैप पर जितना निर्माण दिखेगा उसे आबादी और बाकी को अवैध माना जाएगा। जिसे ध्वस्त किया जाएगा। किसानों से जमीन आपसी सहमति से ली जाएगी। इसके लिए रेट तय किए जा रहे है। बोर्ड में पास करके इसे लागू किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

स्पोर्ट सिटी में हुआ 9 हजार करोड़ का घोटाला

मामले की पड़ताल को प्राधिकरण पहुंची सीबीआई की टीम

नोएडा (चेतना मंच)। सीएजी के ऑडिट में नोएडा में हुए स्पोर्ट सिटी के करीब 9 हजार करोड़ के घोटाले की जांच करने सीबीआई की टीम नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 स्थित कार्यालय पहुंची। वहां पर टीम ने इस प्रकरण से संबंधित दस्तावेज तलब किए तथा ब्रोसर तथा उस दौरान तैनात अफसरों की सूची मांगी।

जांच के लिए प्राधिकरण के दफ्तर पहुंचे सीबीआई के अधिकारी करीब तीन घंटे तक नोएडा प्राधिकरण में रहे। ये टीम एक एसपी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में आई थी। स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के लिए आवंटित योजना से संबंधित ब्रोशर की नियम-शर्तों के बारे में पूछा। ब्रोशर के तहत कितने प्रतिशत एरिया में खेल सुविधाएं विकसित की जानी थीं। वर्तमान समय में क्या स्थिति है। शुरुआत में चार बिल्डर कौन-कौन से थे जिनको भूखंड आवंटित किए गए थे। अब भूखंडों के सबडिवीजन होने के बाद कौन-बिल्डर कागजों में आ गए हैं। उस समय किस रेट पर भूखंडों का आवंटन किया गया था।

इलाहाबाद हाइकोर्ट ने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच का आदेश दिया है। इस मामले में सीबीआई ने तीन एफआईआर दर्ज की है। पहली एफआईआर लॉजिक्स इंफ्रा डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और दूसरी लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और तीसरी जनायडू स्टेट के नाम पर की गई है। तीनों पर 2011 से 2017 तक बिल्डरों, कंसोर्टियम, और नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मिलकर कथित तौर पर घर खरीदारों के पैसे हड़पने का आरोप है।

बता दे सीएजी ऑडिट में स्पोर्ट्स सिटी आवंटन में बड़ी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया था। जिससे नोएडा प्राधिकरण और राज्य सरकार को 9000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ऑडिट में पाया गया कि डेवलपर्स को जमीन कम कीमत पर दी गई। डेवलपर्स द्वारा नोएडा प्राधिकरण को साइड लाइन करते हुए स्वामित्व का अनधिकृत हस्तांतरण किया गया। लीज प्रीमियम, जुर्माना और ट्रांसफर चार्ज तक नहीं दिए गए। साथ ही खेल के बुनियादी ढांचे के पूरा न होने के बावजूद अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

बीबीए की छात्रा के डीप फेक फोटो की वायरल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की एक नामी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली बीबीए की छात्रा ने अपने परिचित युवक के खिलाफ फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उस पर डीप फेक एडिट तस्वीरों को अपलोड करने के आरोप में थाना 126 में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक उसे ब्लैकमेल कर पैसों की भी मांग कर रहा है।

मूल रूप से झारखंड की रहने वाली (अंजलि काल्पनिक) नाम नोएडा की एक नामी यूनिवर्सिटी में बी बी ए की छात्रा है। अंजलि के मुताबिक उसकी झारखंड के रहने वाले सुकांत वर्मा से दोस्ती थी। कुछ समय पूर्व सुकांत वर्मा ने उसके नाम की फेक इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उस पर डीप फेक एडिट तस्वीरों को अपलोड करना शुरू कर दिया। इंस्टाग्राम आईडी पर अपलोड उसकी फोटो पर लोगों के भद्दे कमेंट्स व गालियां लिखी हुई है। पीड़िता के मुताबिक उसने इस बारे में जब सुकांत वर्मा से बात की तो उसने उसे जान से मारने की धमकी दी और पैसों की मांग की। अंजलि का आरोप है की सुकांत वर्मा उसकी तस्वीरें को **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

क्राइम फाईल

फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक के साथ गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 पुलिस ने तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से फर्जी नंबर प्लेट लगी दो बाइक व चाकू बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर नट की मढैया गोल चक्कर के पास से फरमान पुत्र अखलाक, अरविंद पुत्र सोमवीर व भोले पुत्र मोहर सिंह को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो बाइक बरामद हुई। इन बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। दोनों बदमाशों ने स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है। तलाशी में उनके पास से एक चाकू भी बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियो ने बताया कि वह दो पहिया वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

किशोरी को भगा ले गया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के एक गांव से पड़ोस में रहने वाला युवक नाबालिक किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले विनोद (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीते 3 अप्रैल की सुबह उनकी (17 वर्षीय) बेटी घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। सुबह के समय परिजन जब सो कर उठे तो उनकी बेटी गायब थी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। खोजबीन के दौरान पता चला कि उनकी नाबालिक बेटी को ग्राम मोकादी निवासी हर्षित पुत्र नीरज कुमार शर्मा बहला फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी तथा किशोरी की तलाश की जा रही है।

मेट्रो स्टेशन के पास मोबाइल छीना

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-70 स्थित नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से आई फोन छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मोदीपुरम मेरठ निवासी विभोर वर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 29 मार्च की रात को ऑटो से सेक्टर-70 स्थित इलेक्ट्रॉनिक सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन आया था। ऑटो से उतरकर उसने किराए की पेमेंट करने के लिए जेब से अपना आईफोन निकाला। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन लिया और फरार हो गए। उसने बदमाशों का पीछा कर उन्हें पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े और मौके से फरार हो गए। बाइक की गति तेज होने के कारण वह उसका नंबर भी नहीं देख पाया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

दादरी। थाना दादरी पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर के पास से 4 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ है।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। जारचा अंडरपास से पहले पुलिस को देखकर एक व्यक्ति सकपका कर भागने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उक्त व्यक्ति को जांच के लिए रोक लिया। उसके थैले की तलाशी लेने पर उसमें से 4 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम चांद पुत्र अकरम निवासी नई आबादी बताया।

पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह पिछले काफी समय से गांजे की बिक्री में संलिप्त है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning
Well Equipped Library GPS Enable Buses

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

टैरिफ युद्ध

पूरी दुनिया को टैरिफ युद्ध की चेतावनी देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ने अब इसे हकीकत बना दिया है। तमाम विकासशील व विकसित देशों के साथ भारत भी इसकी जद में आया है। मौके की नजाकत को समझते हुए भारत ने हालात से समझौता करने का निर्णय किया है। कमोबेश, इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ के मुकाबले लगाए गए टैरिफ को स्वीकार कर लिया गया है। वहीं दूसरी ओर यूरोपीय संघ, चीन और कनाडा ने अपने-अपने देशों के आर्थिक हितों की रक्षा करने के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है। भारत के लिये अच्छी बात यह है कि हमारे मुख्य प्रतिस्पर्धी- चीन, वियतनाम,बांग्लादेश और थाईलैंड पर हम से कहीं अधिक शुल्क लगाया गया है। नई दिल्ली को यह भी उम्मीद है कि वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम चल रहा है, जिसके जरिये घरेलू उद्योग को टैरिफ वृद्धि के दुष्प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। वैसे देखा जाए तो भारत के लिये प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एक अवसर मौजूद हैं। इस दौरान भारत को व्यापार करने में आसानी बढ़ाने तथा लाभांश प्राप्त करने के लिये अपने बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी बल मिलेगा। ध्यान रहे कि ऐसा ही अवसर भारत के सामने तब भी आया था जब कोविड-19 महामारी के चलते चीन के उत्पादन की रफ्तार धीमी हो गई थी। चीन ने ऐसा कदम लंबे समय से चली आ रही जीरो टॉलरेंस की कोविड नीति के चलते उठाया था। जिसके चलते अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को विकल्प तलाशने के लिये प्रेरित किया था। लेकिन भारत इसके बावजूद हालात का ज्यादा लाभ नहीं उठा पाया था। विडंबना ये रही कि वियतनाम और थाईलैंड वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उत्पन्न व्यवधानों का अधिकतम लाभ उठाने में भारत से आगे निकल गए। अतीत से सबक लेकर भारत को नई स्थितियों का लाभ उठाने के लिये बेहतर ढंग से तैयार रहना चाहिए। वैसे इन हालात में बहुत कुछ भारत की तुलना में ट्रंप के टैरिफ से अधिक प्रभावित देशों की प्रतिक्रिया पर निर्भर करेगा। इन स्थितियों में एक चिंताजनक संभावना यह भी है कि चीन और वियतनाम जैसे देश पहले से ही अमेरिका के लिये निर्धारित अपने निर्यात को भारत में भेजने की कोशिश कर सकते हैं। जिसमें कम लागत वाले सामानों के जरिये भारतीय बाजारों को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है। भारतीय बाजार तो पहले ही चीन के सस्ते उत्पादों से पटे पड़े हैं। जिससे दोनों देशों में व्यापार असंतुलन की स्थिति बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच व्यापार में हमारा घाटा 85 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। वैसे चिंता की बात यह भी है कि भारत ने बीजिंग के साथ व्यापार घाटे को कम करने की दिशा में कुछ खास कदम नहीं उठाये हैं। हालांकि, भारत ने कुछ चीनी उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी जरूर लगाई है। इसका मकसद स्वदेशी उत्पादों को पड़ोसी देश के सस्ते आयात से संरक्षण देना ही था। ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से होने वाले नुकसान को कम करने की योजना को लागू करते वक्त इस बात को सुनिश्चित करने के प्रयासों के साथ चलना होगा कि कहीं चीन भारत को प्रतिस्पर्धा के बाजार में शिकस्त न दे दे। आज जब भारत दुनिया का सबसे अधिक युवाओं वाला देश है तो हमें अपनी श्रमशक्ति के बेहतर उपयोग की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हम कौशल विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करें। कुशल कामगारों से हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही विदेश निवेश बढ़ाने के साथ ही घरेलू निवेश को गति देने की दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। अमेरिका समेत अन्य देशों में जो मंदी की आहट महसूस की जा रही है, उससे हम तभी अपनी अर्थव्यवस्था को सुरक्षा दे सकेंगे। निस्संदेह, आने वाले दिनों में यह टैरिफ युद्ध दुनिया में और अधिक विस्तार ले सकता है। भारत को अपने निर्यात को अन्य देशों में बढ़ाने की दिशा में भी सोचना होगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री हरि अनंत हैं (उनका कोई पार नहीं पा सकता) और उनकी कथा भी अनंत है। सब संत लोग उसे बहुत प्रकार से कहते-सुनते हैं। श्री रामचन्द्रजी के सुंदर चरित्र करोड़ों कल्पों में भी गाए नहीं जा सकते॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

यह प्रसंग मैं कहा भवानी। हरिमायाँ मोहहिं मुनि ग्यानी॥
प्रभु कौतुकी प्रनत हितकारी। सेवत सुलभ सकल दुखहारी॥

(शिवजी कहते हैं कि) हे पार्वती! मैंने यह बताने के लिए इस प्रसंग को कहा कि ज्ञानी मुनि भी भगवान की माया से मोहित हो जाते हैं। प्रभु कौतुकी (लीलामय) हैं और शरणागत का हित करने वाले हैं। वे सेवा करने में बहुत सुलभ और सब दु:खों के हरने वाले हैं॥

सुर नर मुनि कोउ नाहिं जेहि न मोह माया प्रबल।
अस बिचारि मन माहिं भजिअ महामाया पतिहि॥1

देवता, मनुष्य और मुनियों में ऐसा कोई नहीं है, जिसे भगवान की महान बलवती माया मोहित न कर दे। मन में ऐसा विचारकर उस महामाया के स्वामी (प्रेरक) श्री भगवान का भजन करना चाहिए॥

अपर हेतु सुनु सैलकुमारी। कहउँ बिचित्र कथा बिस्तारी॥
जेहि कारन अज अगुन अरूपा। ब्रह्म भयउ कोसलपुर भूपा॥

हे गिरिराजकुमारी! अब भगवान के अवतार का वह दूसरा कारण सुनो- मैं उसकी विचित्र कथा विस्तार करके कहता हूँ- जिस कारण से जन्मरहित, निर्गुण और रूपरहित (अव्यक्त सच्चिदानंदघन) ब्रह्म अयोध्यापुरी के राजा हुए॥

(क्रमश:...)

भारत कोई धर्मशाला नहीं, बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ ऐतिहासिक कदम

संसद के बजट सत्र- 2025 में बजट के अतिरिक्त भी कई ऐतिहासिक विधेयक पारित हुए हैं जिनमें से एक है आव्रजन और विदेशियों विषयक विधेयक-2025। यह विधेयक भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने वाला तो है ही साथ ही भारत की आंतरिक व वाह्य सुरक्षा तंत्र और आर्थिक तंत्र को भी मजबूत बनाने वाला भी है। जब यह विधेयक अधिसूचित होकर पूरे भारत में लागू हो जायेगा तब बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की अवैध घुसपैठ सहित अनेक प्रकार के अपराधों पर भी लगाम लग सकेगी।

इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद कोई भी विदेशी नागरिक पहले की तरह भारत में घुस कर, भारत के किसी भी हिस्से में जाकर निवास करते हुए भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो पाएगा। अब सीमा पार करने वाले हर व्यक्ति का पूरा डाटा एकत्र किया जायेगा। अभी भारत आने वाले विदेशी नागरिकों का कोई डाटा उपलब्ध नहीं है। यह विधेयक भारत की एकता, अखंडता तथा सुरक्षा के लिए अतयंत महत्वपूर्ण है। इस बिल के लागू हो जाने के बाद अवैध रोहिंग्या/बांग्लादेशी घुसपैठ पर रोकथाम ही नहीं लगेगी अपितु ऐसे अराजक तत्व जो समाज में घुल मिलकर छोटे मोटे अपराधों में संलिप्त हो रहे हैं तथा समाज का वातावरण प्रदूषित करते हुए लवजिहाद व धर्मान्तरण जैसी गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं उनसे भी निपटा जा सकेगा।

इस विधेयक पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के दौरान स्पष्ट हुआ कि भारत में अवैध घुसपैठ की समस्या कितना विकराल रूप ले चुकी है। भारत के सभी मेट्रो शहर अवैध अराजक तत्वों के निशाने पर हैं। भारत के अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्रों तथा समस्त पूर्वी राज्यों जिनमें असम और पश्चिम बंगाल प्रमुख हैं में यह समस्या नासूर बन चुकी है। पश्चिम बंगाल के तीन सीमावर्ती जिलों की डेमेग्राफी अवैध घुसपैठ के कारण बदल चुकी है। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने जब सदन में बताया कि बांग्लादेशी घुसपैठ की सबसे अधिक समस्या कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, झारखंड, तेलंगना तथा तृणमूल कांग्रेस शासित राज्य पश्चिम बंगाल में है क्योंकि यहां की राज्य सरकारें सहयोग नहीं कर रही हैं तब विपक्षी दलो ने हंगामा करते हुए सदन का बहिष्कार कर दिया। गृहराज्य मंत्री ने अवगत कराया कि बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ नहीं लगाने दे रही है साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सीमा पर टीएमसी के कार्यकर्ता ही बीएसएफ के कार्यों में बाधा डालने का काम कर रहे हैं जिसके कारण बांग्लादेशी घुसपैठ पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

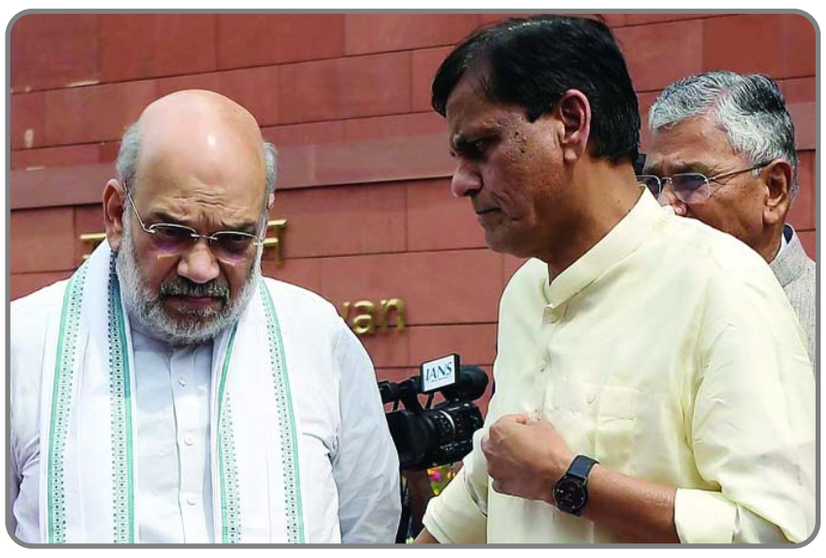

लोकसभा में बहस के दौरान ही गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया कि भारत कोई धर्मशाला नहीं हैं।

विधेयक पर बहस के दौरान घुसपैठ व शरणार्थी शब्द को स्पष्ट किया गया क्योंकि विपक्षी दलों के सांसद तुष्टिकरण की विकृत राजनीति के कारण इन दोनों शब्दों का घालमेल कर रहे थे। ये विपक्षी सांसद इस विधयेक को वसुधैव कुटुंबकम की भवना से परे बताकर भ्रम व अराजकता की राजनीति करने का प्रयास कर रहे थे किंतु सरकार ने अपने तर्कों से विपक्ष को बेनकाब कर दिया जिसके परिणामस्वरूप वे राज्यसभा में हंगामा करते हुए सदन से बाहर चले गये।

इस नये कानून में विदेशी अधिनियम 1946, पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920 तथा विदेशियों का पंजीकरण अधिनियम 1939 और आव्रजन (वाहक दायित्व) अधिनियम 2000 को निरस्त करते हुए एक नया व्यापक कानून बनाने की आवयकता की पहचान करते हुए नया आव्रजन और विदेशी विधेयक 2025 लाया गया है। नये कानून का एक उद्देश्य यह भी है कि कानूनों की बहुलता और अतिव्यापन से बचा जाये तथा विदेशियों से संबंधित मामलों को विनियमित किया जाए, जिसमें वीजा की आवश्यकता, पंजीकरण और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज (पासपोर्ट) आदि शामिल है। इस नये कानून के माध्यम से भारत में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले सभी लोगों के लिए सभी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा।

नये कानून के अनुसार किसी भी विदेशी को बिना वैध पासपोर्ट या दस्तावेजों के भारत आने पर 7 साल की जेल और 10 लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। गलत जानकारी देने या दस्तावेजों में गड़बड़ी करने पर 3 साल की जेल और 3 लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान किया गया है। भारत में बिना वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेजों के माध्यम से प्रवेश करने पर तुरंत हिरासत में लिया जायेगा। अब इस विधेयक के नये नियमों के अनुरूप अगर कोई मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है तो अधिक कड़ी कार्यवाही की जायेगी। यह विधेयक केंद्र सरकार को उन स्थानों का नियंत्रण करने का अधिकार भी देता है जहां विदेशियो काआना जाना लगा रहता है। इसके तहत मालिक को परिसर को बंद करने, निर्दिष्ट शर्तों के साथ इसके उपयोग की अनुमति देने या सभी या निर्दिष्ट वर्ग के विदेशियों को प्रवेश देने से मना करने का अधिकार का दिया गया है।

निरस्त किये गए कानून की कमियों का लाभ उठाकर ही बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक भारत आ रहे थे क्योंकि उस क़ानून में उनकी जांच करने तथा व्यापक पूछताछ की कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। इसी कारण से आज लाखों की संख्या में अवैध नागरिक भारत में रह रहे हैं और अब वह राष्ट्रीय समाजिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि हम नियम बनाकर अवैध घुसपैठ को रोक रहे हैं। हमारी सीमा पर कुछ संवदेनशील स्थान हैं, सेना के अड्डे हैं, उनको दुनियाभर के लिए खुला नहीं छोड़ सकते। पहले भी घुसपैठियो को रोका जा सकता था किंतु कोई नियम नहीं था अत: हमने नियम बनाने का साहस किया है। इस नये कानून से भारत आने वाले विदेशी नागरिकों की जानकारी पुख्ता होगी । सुरक्षा की दृष्टि से ड्रग्स कार्टल, घुसपैठियों की कार्टल, हवाला व्यापारियों को समाप्त करने की व्यवस्था इस विधेयक में की गई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सदन को बताया कि सबसे अधिक बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं की घुसपैठ बंगाल से हो रही है। अब तक जितने घुसपैठिये पकड़े गये हैं, उनके आधार कार्ड बंगाल के 24 परगना क्षेत्र के है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता ही इन लोगों के अवैध कागज बनवा रहे हैं। नये कानून में अवैध कागज बनवाने वाले भी सजा के दायरे में आ गये हैं। नया कानून 36 धाराओं में निहित है। सभी को कानूनी रूप दिया गया है। सदन में गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अब जो भारत में केवल भारत के हित के लिए आयेगा वहीं यहां पर रह सकेगा। अब भारत धर्मशाला नही है । सरकार उन लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार है जो पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा या व्यापार के लिए भारत आना चाहते हैं सरकार केवल उन लोगों को भारत आने से रोकेगी जिनके इरादे गलत हैं और जो हमारे लिए खतरा पैदा करेंगे उनसे गंभीरता से निपटा जायेगा।

इस कानून के माध्यम से भारत में गैरकानूनी तरीके से घुसना और यहां बसना मुश्किल हो जायेगा। रोहिंग्या/ बांग्लादेशी घुसपैठ अब चुनाव में भी एक बड़ा मुददा बन गई है। दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी कई विधायक बांग्लादेशी व रोहिंग्याओं का फर्जी पासपोर्ट, आधार कार्ड व राशन कार्ड आदि बनवा रहे थे जिनकी जांच चल रही है। केंद्र की सरकार को पूर्ण विश्वास है कि नक्सलवाद, आतंकवाद की तरह आने वाले समय में रोहिंग्या/ बांग्लादेशी घुसपैठ का भी समाधान हो जायेगा और भारत तीव्रता के साथ विकास के पथपर अग्रसर हो सकेगा।

- मृत्युंजय दीक्षित

वक्फ को लेकर उभरता विवाद

वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। इसका अर्थ कोई भी चल या अचल सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर देना। जाहिर है जब सम्पत्ति अल्लाह को समर्पित कर दी गई है तो उसकी सार संभाल तो इसी संसार के कुछ लोग अल्लाह की तरफ से करेंगे। अल्लाह की तरफ से सार संभाल करने का अधिकार इन 'कुछ' लोगों को कौन देता है, यह प्रश्न सदा विवाद का विषय बना रहेगा। अल्लाह को दान की गई इन सम्पत्तियों से जो आमदन होती है उसका कुछ हिस्सा, इन सम्पत्तियों की सार संभाल करने वाला व्यक्ति अपने मेहनताने के एवज में अपने पास भी रख सकता है। इसलिए विवाद बढ़ता रहता है। जिसके नियंत्रण में अल्लाह को दी गई यह सम्पत्ति आ जाती है, वह इसे छोडना नहीं चाहता। 1947 में अंग्रेजों के चले जाने के उपरांत कांग्रेस ने सरकार बनाई तो उसने 1954 में वक्फ बोर्ड अधिनियम बनाया। सरकार को पता चला कि इस देश की जमीन का बड़ा हिस्सा वक्फ में अल्लाह को दिया जा चुका है। कहा जाता है कि रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद देश की सबसे ज्यादा जमीन वक्फ के नाम पर अल्लाह को दी जा चुकी है। वक्फ के पास इस समय देश की आठ लाख एकड़ से अधिक जमीन है। बोर्ड की अनुमानित संपत्ति 1.2 लाख करोड़ रुपए है। 2009 में वक्फ बोर्ड के पास कुल 4 लाख एकड़ जमीन थी। इस मसले की जड़ तक जाना जरूरी है। दरअसल इस देश में अरबों, तुर्कों व मुगलों के हमले 712 में शुरू हो गए थे। 1200 तक आते-आते उन्होंने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और उसमें से कुछ हिस्सा अलग-अलग समय में अल्लाह को भी दे दिया।

व्यावहारिक रूप से अल्लाह को देने का मतलब मुल्ला मौलवियों को देना ही था। ये मुल्ला मौलवी इस देश के रहने वाले तो थे नहीं, बल्कि ये भी इन्हीं हमलावरों के साथ मध्य एशिया से आए थे। एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के राज में देसी मुसलमानों (डीएम) को लगता था कि शायद मुल्ला मौलवी वक्फ की इस सम्पत्ति से, उनकी हालत सुधारने के लिए भी ध्यान देंगे, लेकिन न तो ऐसा हुआ और न ही आगे होने की सम्भावना थी, क्योंकि 1954 में वक्फ बोर्ड बन जाने से सारे अधिकार कानूनी रूप से एक वर्ग विशेष के हाथों में दे दिए गए। देसी मुसलमान, जिन्हें एटीएम मूल का मुसलमान पसमांदा, अरजाल, अलजाफ, न जाने और कितने निंदनीय शब्दों से सम्बोधित करता है, अपने ही देश में अपनी ही सम्पत्ति अशरफ के हाथों लुटती देखता रहा। समय समय पर इस वक्फ अधिनियम में संशोधन होते रहे और एटीएम का शिकंजा और कसता गया। भारत के मुसलमानों में दो वर्ग हैं, पहला वर्ग उन मुसलमानों का है जिनके वंशज इस मुल्क में हमलावर के रूप में आए थे। यह वर्ग एटीएम कहलाता है। दूसरा वर्ग उन मुसलमानों का है जो यहीं के लोग हैं, लेकिन किन्हीं कारणों से हमलावरों के मजहब में शामिल हो गए थे। उन्हें देसी मुसलमान या डीएम कहा जाता है। इस मुल्क में यदि कोई सम्पत्ति अल्लाह के नाम पर दान भी की जाती है तो वह यकीनन देसी मुसलमानों की ही हो सकती है। हमलावर अरब, तुर्क या मुगल अपने देशों की जमीन या सम्पत्ति तो उठाकर लाए नहीं थे जिसे उन्होंने हिन्दुस्तान में आकर वक्फ के नाम कर दिया। वक्फ का असूल है कि जो सम्पत्ति वक्फ को जाती है वह उसकी अपनी सम्पत्ति होनी चाहिए। दूसरे की कब्जाई गई सम्पत्ति को वक्फ के नाम नहीं किया जा सकता। अब केवल उदाहरण के लिए यदि अपने वक्त में औरंगजेब ने कोई जमीन वक्फ की हो तो उसको वक्फ माना ही नहीं जा सकता क्योंकि वह उसके पूर्वजों द्वारा बलपूर्वक कब्जाई सम्पत्ति है। एक और उदाहरण लिया जा सकता है। दो फरीकों में किसी सम्पत्ति को लेकर झगड़ा चल रहा है। पहले फरीक के कब्जे में वह सम्पत्ति है लेकिन उसको लग रहा है कि वह केस हार जाएगा। इसलिए वह केस का फैसला आने से पहले ही वह सम्पत्ति मौलवी से मिल कर वक्फ के नाम कर देता है।

वक्फ बोर्ड की दलदल में फंस गई यह सम्पत्ति अब वापस असली मालिक को नहीं मिल सकती। यह नियम बना पंखा है कि एक बार वक्फ के नाम हो चुकी सम्पत्ति वापस नहीं हो सकती। असली मालिक वक्फ बोर्ड के इस तानाशाही रवैए के खिलाफ फरियाद भी उसी वक्फ बोर्ड के पास कर सकता है। हाई कोर्ट में अपील तक नहीं की जा सकती। अभी वक्फ बोर्ड अधिनियम में असमानी धारा है जिसे अधिनियम में धारा 40 कहा जाता है। इसके अनुसार यदि वक्फ बोर्ड के पास यह विश्वास करने के कारण हैं कि कोई जायदाद वक्फ की है तो वह उसे वक्फ सम्पत्ति घोषित कर सकता है। कोई सम्पत्ति किसकी है, इसके लिए प्रमाण की जरूरत होती है न कि विश्वास की। लेकिन वक्फ बोर्ड सम्पत्ति के मामले में प्रमाण की बजाय विश्वास को ही तरजीह देता है। यानी वक्फ स्वयं भी बहुत सी सम्पत्ति को, स्वयं ही विश्वास करके, वक्फ की सम्पत्ति घोषित कर देता है। इस प्रकार भारत की बहुत सी सम्पत्ति को उसने खुद ही वक्फ सम्पत्ति घोषित कर रखा है। भारत सरकार के पुरातत्व विभाग की तो अनेक सम्पत्तियों को वक्फ अपना मानता ही है और सरकार ने भी अभी तक इस मामले में मौन स्वीकृति दे रखी थी। नए अधिनियम में इसको रोकने का प्रयास किया गया है। सबसे ज्यादा दुख की बात तो यह है कि वक्फ की इन सम्पत्तियों से अर्जित आय का लाभ देसी मुसलमानों को मिलना चाहिए था, उनको अपने रोजगार चलाने में मदद की जानी चाहिए थी, उनके लिए अच्छे आधुनिक स्कूल खोले जाने चाहिए थे। लेकिन उनके विकास के नाम पर उनके लिए मध्यकालीन मदरसे खोल दिए गए और बाकी आमदन एटीएम ने अपने लिए रख ली ।

मुगलों का राज खत्म हो जाने के बाद भी बहुत ही शातिराना तरीके से उनके वंशजों ने इस मुल्क की बहुत बड़ी सम्पत्ति पर कब्जा जमा रखा है। उस कब्जे को छुड़ा कर, यदि उसे मुसलमानों को ही देना है तो उसे देश के देसी मुसलमानों के हवाले किए जाने की सख्त जरूरत है। वक्फ बोर्ड में किए जा रहे परिवर्तन उस दिशा में उठाए गए कदम कहे जा सकते हैं। भारत का देसी मुसलमान तो वक्फ बोर्ड अधिनियम में किए जा रहे परिवर्तनों से प्रसन्न है, लेकिन एटीएम भयंकर विरोध कर रहा है। कुछ दिन पहले ही वह औरंगजेब की कब्र बचाने की लड़ाई लड़ रहा था, लेकिन अब तो मुगल साम्राज्य समाप्त होने से पहले भारत में जो जायदाद वक्फ के बहाने उनको उनके भरण पोषण के लिए दे गया था, वह भी उनके हाथों से छिनती नजर आ रही थी। यह सम्पत्ति अब देसी मुसलमानों के हित के लिए प्रयोग होने वाली थी। लेकिन पूछा जा सकता है कि फिर वक्फ बोर्ड अधिनियम में किए जा रहे इन स्वदेशी परिवर्तनों का विरोध आखिर भारत के ही कुछ राजनीतिक दल क्यों कर रहे हैं? इसका उत्तर जानने के लिए इसी से मिलते-जुलते एक दूसरे प्रश्न का उत्तर तलाशना होगा। मुगलों और अंग्रेजों के राजकाल में भारत के ही कुछ लोग मुगलों व अंग्रेजों का साथ क्यों दे रहे थे? बहरहाल, यह बिल लोकसभा में पास हो गया है।

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राशिफल

चैत्र शुक्ल पक्ष अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अज्ञात भय सताएगा। सर दर्द, नेत्र पीड़ा संभव है। सर दर्द और नेत्र पीड़ा के कारण मन व्याकुल रहेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन अस्थिर रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। बाकी प्रेम, संतान, व्यापार सही रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यावसायिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी में हार का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य में भरोसा करके कोई काम नहीं कर सकते हैं। थोड़ा सा बदनामी या अपयश मिल सकता है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान रखें। नौकरी-चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
डिस्टर्बिंग टाइम लेकिन जीत आपकी सुनिश्चित है। कार्यों में अवरोध आएगा लेकिन संपन्न हो जाएगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मानसिक दबाव बना रहेगा। अवसादग्रस्त स्थिति रहेगी। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। कुछ बड़ी कलह हो सकती है। ध्यान रखिएगा। शांत होकर चीजों को निपटाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
पराक्रम अभी बहुत रिजल्ट नहीं देगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
पूंजी का निवेश न करें। जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसा न लगाएं। धन हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा का शिकार चल रहा है इस समय। प्रेम और संतान में नकारात्मकता फैली रहेगी।

मेरठ से सराय काले खां तक जल्द दौड़ेगी 'नमो भारत ट्रेन'

सराय काले खां स्टेशन पर रिसीविंग सब-स्टेशन बनकर तैयार

गाजियाबाद (ब्यूरो)। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के सबसे बड़े और अत्यधिक आकर्षित सराय काले खां स्टेशन तक जल्द नमो भारत ट्रेनों का संचालन शुरू करने की दिशा में एनसीआरटीसी तेजी से जुटा है। विद्युत आपूर्ति के लिए सराय काले खां रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) भी बनकर तैयार हो चुका है। इस आरएसएस की टेस्टिंग की जा रही है। सराय काले खां आरएसएस फेज-1 के तीनों कॉरिडोर का पावर जंक्शन पॉइंट होगा, जहां से कॉरिडोर्स पर विद्युत की आपूर्ति होगी।

सराय काले खां आरएसएस पर 66 केवी की आपूर्ति होगी, जिसके लिए एनसीआरटीसी द्वारा दिल्ली ट्रानस्को लिमिटेड और गैस टर्बाइन पावर स्टेशन (जीटीपीएस) के साथ करार किया गया है। इस आरएसएस से ट्रेनों के संचालन के लिए 25 केवी और कॉरिडोर्स पर बने स्टेशनों के लिए 33 केवी विद्युत की आपूर्ति होगी। इस आरएसएस में 66/33 केवी के 2 और 66/25 केवी के 2 कुल 4 ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं, जिनमें से तीन ट्रांसफॉर्मर कॉरिडोर्स के लिए चालू रहेंगे और एक ट्रांसफार्मर बैकअप के लिए उपलब्ध रहेगा। नमो भारत के भविष्य के कॉरिडोर्स के संचालन के लिए इस आरएसएस में 66/25 केवी के 02 अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर भी लगाए जाएंगे। यह आरएसएस सराय काले खां स्टेशन के नजदीक बनाया गया है।

वर्तमान में सराय काले खां से मेरठ के बीच पहले नमो भारत कॉरिडोर का निर्माण कार्य जारी है, जो अंतिम चरण में है। इस कॉरिडोर पर ट्रेनों के संचालन के लिए सराय काले खां, गाजियाबाद, मुराद नगर, शताब्दी नगर और मोदीपुरम में कुल पाँच आरएसएस होंगे, जिनमें से सिर्फ मोदीपुरम आरएसएस का निर्माण कार्य जारी है जबकि अन्य चार बनकर तैयार हो चुके हैं।

दिल्ली-मेरठ के बीच 25 स्टेशन

दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के तहत दिल्ली से मेरठ के बीच 25 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इस कॉरिडोर पर वर्तमान में न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मेरठ साउथ तक 55 किमी के सेक्शन में नमो भारत ट्रेन सेवाएँ परिचालित हैं और न्यू अशोक नगर से सराय काले खां स्टेशन के बीच भी नमो भारत ट्रेनों का परिचालन जल्द शुरू होगा। सम्पूर्ण 82 किमी लंबे कॉरिडोर पर 2025 में ट्रेनों का परिचालन आरंभ करने का लक्ष्य है।

एनसीआरटीसी, सौर ऊर्जा को अपनाते हुए स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पन्न करने में योगदान दे रही है, जिससे सस्टेनेबल एनर्जी और परिचालन दक्षता को अनुकूलित करते हुए एनसीआरटीसी अपने कार्बन फुटप्रिंट्स को कम करने के व्यापक दृष्टिकोण के साथ प्रगति के पथ पर बढ़ रही है। 82 किमी लंबे सम्पूर्ण आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालित होने पर इससे 11 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन करने का लक्ष्य है, जिससे सालाना 11,500 टन CO2 उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक बड़ा कदम साबित होगा।

वरिष्ठ समाजसेवी संरचना अभियन्ता डॉ. हरीश मिश्र को मिली डी.लिट. की उपाधि

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के प्रमुख समाजसेवी व ब्राह्मण समाज सेवा समिति के अध्यक्ष पंडित हरीश मिश्र को परिवर्तन योगेश संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिन्दू नववर्ष स्वागत- सम्मान उत्सव' समारोह में काशी हिन्दी विद्यापीठ, वाराणसी के कुलाधिपति सुखमंगल सिंह 'मंगल', कुलपति डॉ संभाजी राजाराम बाविस्कर, राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव एवं संयोजक काशी हिन्दी विद्यापीठ एवं परिवर्तन योगेश के संस्थापक डॉ योगेश तरेहन, महर्षि भारद्वाज सनातन अखाड़ा, प्रयागराज के पीठाधीश्वर परम पूज्य श्री श्री 1008 डॉ कृष्णानन्द जी महाराज, डॉ. ममता नौगरैया प्रकृति और साहित्य की समर्पित लेखिका(कवि बंन्धू मैथिली शरण गुप्त के परिवार से), महामण्डलेश्वर डॉ. एनएन त्रिपाठी द्वारा विद्या-सागर मानद सम्मान (डी.लिट./ उच्च डाक्ट्रेट समतुल्य) प्रदान किया गया।

यह सम्मान डॉ. हरीश मिश्र को उनकी सुदीर्घ हिन्दी सेवा/ सारस्वत साधना/ कला के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण उपलब्धियां / शैक्षिक प्रदेयों / महनीय शोधकार्य /सेवाकार्य तथा राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर विद्यापीठ की अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर विद्या-सागर मानद सम्मान प्रदान किया गया।

आइएए के चुनाव में अध्यक्ष व महासचिव को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडस्ट्रियल एंटरप्रिन्योर्स एसोसिएशन (आइएए) के चुनाव में अध्यक्ष उद्योगपति संजीव शर्मा, महासचिव उद्योगपति विशाल गोयल को निर्विरोध चुना गया।

अध्यक्ष एवं महासचिव को अंग वस्त्र से सम्मानित कर शुभकामनाएँ देते हुए ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, उद्योगपति एच.एन. शुक्ला, संजीव शर्मा, विशाल गोयल, पी.के. तिवारी, एम.पी. शुक्ला, एस.एस. तिवारी, महिपाल सिंह, पी.एस.मुखर्जी आदि।

चूहा व छछूंदर भी फैलाते हैं संचारी रोग

किसानों को जिला प्रशासन कर रहा है जागरूक

गौतमबुद्धनगर। जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर विनोद कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गौतमबुद्धनगर में संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषको को संचारी रोग नियंत्रण के लिए जागरूक करने के लिए जनपद के तीन विकास खण्डों के कुल 82 ग्राम पंचायतों में चूहा व छछून्दर नियंत्रण के लिए आयोजित जनजागरूकता गोष्ठी में कृषको को चूहा छछून्दर से होने वाले रोगों को नियंत्रण करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

गोष्ठी के माध्यम से किसानों को बताया गया कि संचारी रोग के प्रसार के लिए अन्य कारकों के साथ-साथ चूहा / छछूंदर भी उत्तरदायी है। इसलिए जरूरी है कि कृषि विभाग द्वारा चूहा/छछंदर नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। संचारी रोगों के रोकथाम के लिए आवासीय घरों एवं इसके आस-पास के क्षेत्रों को चूहा/छछूदर से मुक्त रखें। चूहे अपना बिल घरों के अतिरिक्त झाडियों कूडों एवं मूडों आदि में स्थायी रूप से बनाते है। इनका समय-समय पर निरीक्षण कर साफ-सफाई व नियंत्रण के उपाय अपनायें। घरों में ब्रोमोडियोलॉन 0.05 प्रतिशत के बने चारे की 10 ग्राम मात्रा प्रत्येक जिन्दा बिल में रखने से उसे खाकर चूहे मर जाते है। एल्यूमिनयम फॉस्फाइड की 3-4 ग्राम मात्रा जिन्दा बिल में डालकर बन्द कर देने से उससे निकलने वाली फास्फीन गैस से चूहे मर जाते है। जिंक फॉरफाइड 80 प्रतिशत की 10 ग्राम मात्रा को 10 ग्राम सरसों के तेल एवं 380 ग्राम भुने दाने से बनाये गये चारे को बिल में रखने से उसे खाकर चूहे मर जाते है। उन्होंने बताया कि चूहा बहुत चालाक प्राणी है, इसको ध्यान में रखते हुए 6 दिवसीय योजना बनाकर इनको आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

काँग्रेस अध्यक्ष मुकेश यादव का किया स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। काँग्रेस कमेटी नोएडा के पूर्व महासचिव रामकुमार शर्मा एवं कांग्रेसी नेता आरके प्रथम के नेतृत्व में सेक्टर-19 बारात घर में नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष काँग्रेस मुकेश यादव का स्थानीय निवासियों ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

मुकेश यादव ने कहा है कि नॉएडा के निवासियों के सहयोग स्नेह से पुन कांग्रेस पार्टी ने जिम्मेदारी दी है। हम सब मिलकर जनता की आवाज को मजबूत तरीके से सँघर्ष करगें।

पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने कहा है कि काँग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए नोएडा में जमीनी स्तर में सदस्यता अभियान चलाकर लोगों पार्टी से जोड़ा जाएगा।

पूर्व एआईसीसी सदस्य राजकुमार भारती ने सभी से आव्हान किया है कि आप सभी हमारे साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करो ओर हमे समस्याओं से अवगत कराएं।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,वरिष्ठ नेता राजकुमार भारती, प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा,वरिष्ठ नेता कैप्टन पीएस रावत,पूर्व सदस्य सतेंद्र शर्मा,वरिष्ठ नेता विक्रम सेठी,पूर्वांचल के वरिष्ठ नेता दयाशंकर पांडेय,वरिष्ठ नेता विक्रम चौधरी,वरिष्ठ नेता रामकुमार शर्मा,वरिष्ठ नेता आरके प्रथम सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जहां नहीं पहुंच पाएंगे फायर कर्मी, वहां रोबोट बुझाएगा आग

टेंडर के जरिए 30 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदेगा ग्रेनो प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की हाईराइज बिल्डिंगों भी आग बुझाना आसान हो जाएगा। जिन जगहों पर अग्निशमन कर्मी नहीं पहुंच पा रहे, वहां रोबोट आग बुझाएगा। अग्निशमन कर्मियों को अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी पड़ेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जल्द ही अग्निशमन विभाग को आग बुझाने के आधुनिक उपकरणों से लैस करने जा रहा है। प्राधिकरण बोर्ड से विगत 29 मार्च को मंजूरी मिल चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर अग्निश्मन उपकरण खरीदने के लिए अग्निशमन विभाग और प्राधिकरण की तकनीकी समिति का गठन जल्द होने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश अग्निशमन तथा आपात सेवा मुख्यालय लखनऊ की तरफ से 16 जनवरी 2025 को पत्र जारी किया गया, जिसमें अग्निशमन विभाग को फायर उपकरणों से लैस करने की बात कही गई है। इसके आधार पर अग्निशमन विभाग की तरफ से फायर उपकरणों की सूची बनाकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को उपलब्ध करायी गयी। दरअसल, ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगें बहुत हैं। घनी आबादी वाले क्षेत्र भी बहुत अधिक हैं। गांवों में संकरे रास्ते हैं। इन जगहों पर आगजनी की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सहमति दे दी और विगत 29 मार्च को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड

के समक्ष रखा। बोर्ड ने भी इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया और अग्निशमन विभाग को फायर उपकरण उपलब्ध कराने की अनुमति दे दी। अब टेंडर प्रक्रिया के जरिए अग्निशमन उपकरण खरीदने के लिए तकनीकी समिति जल्द ही गठित होने जा रही है।

अग्निशमन विभाग के एक रोबोट फायर सहित 14 कैटेगरी के लगभग 100 उपकरण का प्रस्ताव दिया है। इन उपकरणों को खरीदने पर 29.48 करो? रुपये खर्च होने का आकलन है। अग्निशमन ने रोबोट फायर खरीदने की सिफारिश की है। रोबोट फायर उन जगहों पर भी आगजनी से निपटने में सक्षम होगा, जहां पर अग्निशमन कर्मी नहीं पहुंच सकते। वहीं फोम टेंडर से केमिकल्स और अन्य तरल पदार्थों में लगी आग से निपटने में कारगर होगा। हाईराइज फायर फाइटिंग व्हीकल 120 मीटर तक की ऊंचाई होने पर आगजनी से निपटने के लिए 150 बार प्रेशर के साथ पानी की आपूर्ति करने में सक्षम है। इसी तरह वाटर टेंडर के जरिए 80 मीटर तक बहुमंजिला इमारतों में लगी आग से निपटने में मदद मिलेगी। ग्रेटर नोएडा में हाईराइज बिल्डिंगों को देखते हुए ये उपकरण बहुत ही उपयोगी हैं। वाटर मिस्ट के जरिए बिजली के ट्रांसफॉर्मर, किचन, गैस सिलेंडर, कार में लगी आग से निपटने में उपयोगी है। कटिंग टूल से आगजनी में फंसे लोगों को बचाने के लिए लोहे को काटने के काम आएगा। प्रॉक्सिमिटी सूट और केमिकल सूट से तापयुक्त एवं केमिकल की आग से निपटने के लिए इस्तेमाल होगा। कार्बन कंपोजिट सिलेंडर से धुएं युक्त वातावरण में भी फायर कर्मी लंबे समय तक बचाव कार्य कर सकेंगे। एलमोनाइज सूट से 300 डिग्री तापमान होने पर भी रेस्क्यू करने के लिए उपयोगी है। लंबी अवधि तक आगजनी से निपटने के लिए पानी की आपूर्ति करने में वाटर बाउजर ही कारगर है। जंपिंग कुशन के जरिए निकास मार्गों के अवरुद्ध होने पर अंदर फंसे व्यक्तियों को निकालने में उपयोगी है। बिजली के पोल और पानी की टंकी पर च? व्यक्ति को बचाने में भी यह बहुत कारगर है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सभी औपचारिकता पूरी कर इन उपकरणों को शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड पब्लिक स्कूल प्रबंधन के घोटाले की जांच को तीन सदस्यीय कमेटी गठित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-56 में उत्तराखंड पब्लिक स्कूल प्रबंधन पर शिक्षकों के वेतन से वापस लिए गए 10 से 20 प्रतिशत धनराशि को वापस न लौटाने के आरोप लगाए गए हैं। शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक व को पत्र लिखकर बकाया राशि वापस दिलाने का अनुरोध किया है।

आरोप है कि स्कूल प्रबंधन पिछले पांच साल से शिक्षकों से वेतन का कुछ हिस्सा वापस नकदी के रूप ले रहा है। पूर्व में शिकायत के बाद जिलाधिकारी ने जांच के लिए एक समिति का गठन किया था। जांच में शिकायतें सही पाई गईं थीं। जांच के आधार डिप्टी मजिस्ट्रेट और डीआइओएस ने स्कूल अध्यक्ष और प्राचार्य को शिक्षकों के पैसे लौटाने का आदेश दिया था।

आरोप है कि कुछ ही शिक्षकों का पैसा वापस दिया गया है। अभी कई शिक्षकों का पैसा नहीं दिया गया है। समिति ने जांच के बाद शिक्षकों को 68 लाख रुपए लौटाने का आदेश दिया था। शिक्षकों ने जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को लिखित में शिकायत देते हुए बताया था कि विद्यालय के अध्यक्ष हरीश पपने और प्राचार्य मोहिनी नेगी ने उनसे नोएडा अथारिटी को स्कूल के जमीन का बकाया भुगतान करने के लिए वेतन का 10 से 20 प्रतिशत हिस्सा वापस लेते थे।

यह पैसा 2019 से लिया जा रहा है। सभी शिक्षकों को पैसा वापस नहीं किए जाने पर शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक को दोबारा शिकायत दी है। इस संबंध में प्राचार्य का कहना है कि हमें कोई जानकारी नहीं है। किसने शिकायत की है कब की है, इस तरह की बात करके प्राचार्य मोहिनी नेगी ने फोन काट दिया। मैसेज करने के बाद कोई जबाव नहीं

ग्रेटर नोएडा में निवेश के इच्छुक कई बड़े निवेशक

निवेशकों ने उद्योग, शिक्षण संस्थान और हॉस्पिटल के लिए मांगी जमीन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।। आने वाले दिनों में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में कुछ बड़े उद्योग, शिक्षण संस्थान और हॉस्पिटल खुल सकते हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में कई बड़े निवेशकों के साथ शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें निवेशकों ने ग्रेटर नोएडा में निवेश की इच्छा जताई। अब प्राधिकरण इनके लिए जमीन उपलब्ध कराने की कोशिश में जुट गया है।

दरअसल, कई बड़े निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए शासन से संपर्क साधा है। शासन के निर्देश पर ही इन निवेशकों के साथ शुक्रवार को प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव और एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बोर्ड रूम में बैठक की। इन निवेशकों में एफओईआईआई यूनिवर्सिटी, चंदन हॉस्पिटल, इंद्रप्रस्थ कैंसर हॉस्पिटल, स्वराज एग्रीकल्चर, एसएसजी फर्निसिंग सहित 10 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन निवेशकों को ग्रेटर नोएडा और आईआईटीजीएनएल की इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में बताया गया। एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि प्राधिकरण की औद्योगिक भूखंड योजना शीघ्र आने वाली है। उद्यम लगाने के इच्छुक निवेशकों इसमें आवेदन कर सकते हैं। एसीईओ प्रेरणा सिंह ने आईटी व संस्थागत भूखंडों के बारे में भी इन निवेशकों को जानकारी दी। इसके साथ ही इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में उपलब्ध भूखंडों से भी अवगत कराया। निवेषकों के साथ बैठक में ओएसडी अर्चना द्विवेदी, प्रबंधक स्नेहलता, प्रबंधक अरविंद मोहन सिंह, प्रबंधक प्रमोद कुमार, प्रबंधक प्रिंसिका सिंह, आईआईटीजीएनएल की प्रभारी उद्योग प्रीति शर्मा व उद्यमी मित्र के सहयोगी मौजूद रहे।

एसीईओ ने इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का लिया जायजा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ और आईआईटीजीएनएल की निदेशक प्रेरणा सिंह ने शुक्रवार को इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप का निरीक्षण किया। अब तक जिन उद्योगों को आवंटन किया गया है, उन्होंने काम शुरू किया कि नहीं, इसका भी जायजा लिया। एसीईओ आईआईटीजीएनएल की टीम को निर्देश दिए कि आवंटियों से संपर्क करके निर्माण कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को रोजगार के अवसर मिल सके। इस दौरान सीनियर मैनेजर वैभव चौधरी, मैनेजर महेश यादव भी मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

अधिवक्ताओं ने किया फलहार कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नवरात्र के पर्व की सप्तमी के

अवसर पर कल जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन ने उपवास भोज का आयोजन किया गया।

बार एसोसिएशन द्वारा बार सभागार में सप्तमी के पावन अवसर पर बार एसोसिएशन में अधिवक्ताओं ने मिलकर उपवास भोज का आयोजन किया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी ने कहा कि आस्था के इस अवसर पर समस्त अधिवक्ताओं के साथ उपवास में पूरी आस्था प्रेम व विश्वाश के साथ सप्तमी के त्यौहार को मनाया तथा सभी आस्था के रूप में पटका पहना इस अवसर पर मुख्य रूप से अजीत नागर एड सचिव कपिल नागर , अरुण नागर , नीरज भाटी , विशाल नागर , ललित मावी , शिवा त्यागी , प्रमोद शर्मा , सुशील शर्मा , सचिन नागर , ओंकार नागर , कुलदीप भाटी, दीपक चौधरी, विपिन भाटी सहित समस्त महिला अधिवक्ता शामिल रही इसके अलावा उक्त कार्यक्रम सफल बनाने में मुख्य रूप से कृष्णा भाटी श्याम सिंह भाटी कपिल शर्मा परमानंद शर्मा हेमंत राघव आदेश बंसल नीरज सुनपुरा गजेंद्र भाटी दीपक प्रधान प्रिंस भाटी सचिन भाटी सतपाल नागर अरुण भाटी पवन भाटी मुकेश विवेक ठाकुर सीमा भाटी कविता भाटी ज्योति भाटी हेमा शिमला सागर आदि अधिवक्ताओं प्रसाद वितरण में मुख्य भूमिका निभाई।

जिला जज सहित समस्त न्यायपालिका के अधिकारीगण उपवास भोज में हुए शामिल हुए।

इस अवसर पर सभी धर्म के अधिवक्ता साथी उपस्थित रहे। उपवास भोज में सभी अधिवक्ताओं के साथ साथ जिला जज सहित समस्त न्यायिक अधिकारियों ने समाई के चावल की खीर, कुट्टू के आटे की पकौड़ी वह फलाहार कर

नशा मुक्ति केन्द्र हग्स लाइफ हॉलिस्टिक की मुहीम, शिक्षा द्वारा अवैध नशे की लत एवम तस्करी का समाधान मुमकिन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। वर्षों से जिले में नशे की लत की कुरीति के खिलाफ अभियान हग्स लाइफ हॉलिस्टिक नशा मुक्ति केन्द्र ने अब जिले और प्रदेश स्तर पर कारावास में

बन्दियों से लेकर अधिकारियों तक इस नशे की लत और तस्करी के रोकथाम में पुख्ता तौर पर स्वयम को स्थापित करते हुए हाल ही में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को विशेष रूप से अवैध नशे की लत और तस्करी के विरुद्ध ठोस कदम उठाने की दिशा में न केवल सर्वप्रथम अग्रसर किया है बल्कि जिला कारागार और साथ ही राजकीय बाल सम्प्रेक्षण ग्रह में नशे के

विषय में कार्यक्रम करके जो पहल की है, उस से शासन प्रशासन को भी साथ जोड़ते हुए यह साबित किया है कि समाज में नशे की लत की विषैली महामारी और तस्करी के रोकथाम में आम नागरिकों को भी एक कड़ी की तरह साथ जोड़ते हुए जनता और शासन प्रशासन की एकाग्रता में एक सूत्र होकर इस जंग में विजय पानी है।

वहीं नशा मुक्ति केन्द्र हग्स लाइफ हॉलिस्टिक के युवा संस्थापक लवलिट पीर ने अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमती ऋचा उपाध्याय की अध्यक्षता में सस्थान हग्स लाइफ हॉलिस्टिक द्वारा जिला कारागार एवं जिला बाल सुधार गृह में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत आयोजित नशा उन्मूलन कार्यक्रमों की अग्रिम रुपरेखा की बधाई देते हुए मथुरा जिला न्यायालय में स्थानांतरण की शुभकामनाएं दी और समूचे उत्तर प्रदेश के जिला कारागारों में नशा उन्मूलन के कार्यक्रमों की रणनीति साँझा किया।

जिला जला जज के कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा : नीरज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला जज गौतमबुद्धनगर अवनीश सक्सेना को उच्च न्यायालय इलाहाबाद में न्यायमूर्ति के रूप में प्रोन्नत/उन्नयन होने पर डीजीसी (सिविल) नीरज शर्मा ने बधाई दी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अवनीश एक शानदार व्यक्तित्व के धनी होने के साथ ही उत्कृष्ट विधिवेत्ता हैं । इस अवसर पर ब्रह्मजीत भाटी (डीजीसी, क्राइम), चरणजीत नागर (डीजीसी,राजस्व), रामशरण नागर पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन भी शामिल रहे।

इस मौके पर डीजीसी (सिविल) नीरज शर्मा ने कहा कि अवनीश सक्सेना एक शानदार व्यक्तित्व के धनी हैं। उन्होंने कहा कि अब उनका प्रोन्नत उच्च न्यायालय इलाहाबाद में हो गया है। उनके द्वारा किये गयों को हमेशा याद रखा जाएगा।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा कथा से पूर्व हुआ भूमि पूजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दिव्य गुरू आशुतोष महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2025 तक रामलीला ग्राउंड सेक्टर पाई, ऐच्छर, ग्रेटर नोएडा में भव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा हैं।

इसी उपलक्ष्य में 4 अप्रैल 2025 को कथा से पूर्व कथा स्थल पर पारम्परिक वैदिक अनुष्ठानों सहित भूमि पूजन करते हुए पवित्र आधारशिला रखी गई द्य जिससे इस भव्य कथा की तैयारियों का औपचारिक रूप से मंगलारंभ किया गया।

दिव्य गुरू आशुतोष महाराज द्वारा संस्थापित एवं संचालित दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान एक अंतरराष्ट्रीय, गैर लाभकारी सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था हैं, जिसकी विश्व भर में 350 से अधिक शाखाएं हैं।

शास्त्र ग्रंथों पर आधारित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ, राम कथामृत, कृष्ण कथा, गौ कथा, भगवान शिव कथा, हरि कथा व अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों द्वारा संस्थान समाज को पिछले कई दशकों से जागरूक करता आ रहा है संस्थान के द्वारा चलाए जा रहे प्रकल्पों से

समाज लाभान्वित हो रहा है। संस्थान के विभिन्न सामाजिक प्रकल्प इस प्रकार हैं।

कार्यक्रम में सौरभ अग्रवाल, श्रीमती पारुल अग्रवाल, अनिल राणा, देवेन्द्र नागर, रवि जिंदल, चैनपाल प्रधान, शेखर, आनंद भाटी, रवि भाटी, अनूप कसाना आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा की बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक ग्रेटर नोएडा मंडल पर पार्टी स्थापना दिवस को लेकर ग्रेटर नोएडा अल्फा एक पर आयोजित की गई जिसके मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर अभिषेक शर्मा रहे। मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी एवं मंडल के सभी पदाधिकारी के द्वारा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा का भव्य स्वागत किया गया साथ ही साथ मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष अर्पित तिवारी को सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा सम्मानित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता छह अप्रैल स्थापना दिवस से लेकर पार्टी के द्वारा 12 अप्रैल और 14 अप्रैल अंबेडकर जयंती तक बूथों पर सभी कार्यकर्ता लगेंगे ।

ग्रेटर नोएडा मंडल अध्यक्ष अर्पित तिवारी ने कार्यक्रम बैठक में आये हुए सभी कार्यकर्ताओं का आभार कर कहा हम सब मिलकर संगठन के कार्यों को पूरा करेंगे।

इस अवसर मुख्य रूप से सुभाष भाटी, अध्यक्ष महेश शर्मा, सतीश गुलिया, बिलासपुर नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय चेची एवं देवेंद्र बैसला, जितेंद्र भाटी आदि शामिल रहे।

छात्र-छात्राओं को दिया पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संविलय विद्यालय बिरौडा स्कूल में वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता चैनपाल प्रधान मौजूद रहे। वार्षिक आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों के गार्जियन व दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने वार्षिक उत्सव बच्चों को परीक्षा पत्र व पुस्तक वितरण की गई।

इस मौके पर प्रधान अध्यापिका सावित्री गुप्ता व स्कूल के समस्त अध्यापक अध्यापिकाएं मौजूद रही।

अनिश्चितकालीन धरना 18वें दिन जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गैर कानूनी तरीके से नौकरी से

निकाले जाने के खिलाफ एवं अन्य श्रम समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर कांन्ट्रेक्ट लेबर इम्पलाईज यूनियन 'सीटू' के बैनर तले 17 मार्च 2025 से अंबुजा सीमेंट लिमिटेड दादरी यूनिट एनटीपीसी रोड धूम मानिकपुर/ बढ़पुरा ग्रेटर नोएडा पर चल रहा अनिश्चित कालीन धरना 04 अप्रैल 2025 को 18वें दिन भी जारी रहा।

श्रमिकों के चल रहे धरने में पहुंचकर सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव रामसागर, यूनियन के अध्यक्ष पारस रजक श्रमिकों की हौसला अफजाई की।

सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दतू शर्मा ने कहा कि कहा कि जब तक श्रमिकों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा कंपनी के समक्ष धरना जारी रहेगा। जिला महासचिव रामसागर ने अपने सम्बोधन में कम्पनी प्रबंधकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और निकाले गए कर्मचारीयों को काम पर वापिस नहीं लिया तो संस्थान स्तर पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा साथ उन्होंने कहा इस मुद्दे पर क्षेत्रीय केंद्रीय श्रम आयुक्त सेक्टर- 62, नोएडा कार्यालय पर भी प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा।

प्राधिकरण की करोड़ों कीमत की चार बीघा जमीन पर दबंगों का कब्जा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-6 के क्षेत्र में करीब 40 करोड़ मूल्य की लागत की लगभग चार बीघा जमीन पर सलारपुर निवासी एवं मोरना निवासी दो दबंगों ने

सलारपुर व मोरना के रहने वाले हैं दोनों दबंग

कब्जा कर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। बताया जाता है कि पहले इस जमीन को चारों ओर चारदीवारी किया गया उसके बाद अब अंदर से सैकड़ों मजदूरों को लगाकर निर्माण करवाया जा रहा है। बताते चलें कि यह जमीन मेट्रो स्टेशन सेक्टर-101 के ठीक 100 मीटर दूरी पर स्थित है और इस जमीन पर काफी समय से इन दबंगों की नजर लगी थी। सूत्र बताते हैं कि यह जमीन सोरखा के एक किसान की थी और वह जमीन का बाकायदा नोएडा प्राधिकरण से मुआवजा भी उठा चुका है। उसके बाद इन दबंगों ने मौका मिलते ही प्राधिकरण की जमीन पर चारदीवारी करके उसे इस तरह से बना दिया जैसे वहां पर बहुत पुराना निर्माण हुआ है।

एक तरफ नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अवैध निर्माण को हटाने की बात करते हैं। वहीं सलारपुर के उक्त दबंग व्यक्ति के आगे नोएडा प्राधिकरण के अफसर नतमस्तक होते दिखाई दे रहे हैं। इस अवैध कार्य में स्थानीय पटवारी के साथ-साथ जेई की भूमिका पूरी तरह से बताई जा रही है। अब देखना यह है कि चारदिवारी के भीतर चल रहे निर्माण कार्य को रोका जाता है, यह नहीं या तो आने वाला समय बताएगा। लेकिन करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन पर दबंगों ने बड़े आराम से कब्जा कर उस पर निर्माण कर प्रारंभ कर दिया है।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख

गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स - ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्जके, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस -हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

भुवनेश्वर कुमार ने बेंगलुरु में रचा इतिहास, आईपीएल में ड्वेन ब्रावो की बराबरी की

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अपना नाम इतिहास की किताब में दर्ज करा लिया है और मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अपने शानदार स्पेल के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।

बेंगलुरु के घरेलू मैदान में रजत पटडियार को आरसीबी कप्तान के रूप में पहली हार का सामना करना पड़ा। टाइटन्स ने 170 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया और 8 विकेट की शानदार जीत के साथ अपना दबदबा कायम रखा। अपने घरेलू मैदान पर हारने के बावजूद वे कुछ सकारात्मक चीजें हासिल करने में सफल रहे जिनमें भुवनेश्वर का शानदार स्पेल भी शामिल था। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पेल का पूरा कोटा फेंका, लक्ष के कप्तान शुभमन गिल को आउट करके शुरुआती बढ़त हासिल की और 1/23 के आंकड़े के साथ लौटे।

भले ही उनके शुरुआती प्रयास व्यर्थ गए लेकिन भुवनेश्वर ने रिकॉर्ड बुक को फिर से लिखने के लिए पर्याप्त प्रभाव डाला। उन्होंने ड्वेन ब्रावो के 183 स्कैलप के टैली की बराबरी करने के बाद तेज गेंदबाजों में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में स्टेडियम छोड़ा। पूर्व कैरेबियाई स्टार ने 161 मैचों में 183 विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर ने 178 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की।

कुल मिलाकर वह कैश-रिच लीग में सर्वकालिक विकेट लेने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। उनके टैली से केवल युजवेंद्र चहल (206) और पीयूष चावला (192) बेहतर हैं। भुवनेश्वर ने अपने कौशल सेट पर भरोसा किया और इसे पूर्णता के साथ निष्पादित किया। उन्होंने अपनी ताकत का फायदा उठाया और मेजबान टीम के लिए सबसे किफायती गेंदबाज बनकर उभरे, उन्होंने महज 5.80 रन दिए।

टी20 क्रिकेट में कैसे बने बेहतर बल्लेबाज, साई सुदर्शन ने खोला राज

बेंगलुरु (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में गुजरात टाइटंस की तरफ से मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से उन्हें टी20 क्रिकेट में बेहतर बल्लेबाज बनने में मदद मिली। सुदर्शन में बुधवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 49 रन की महत्वपूर्ण पारी खेल कर अपनी टीम को आठ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

सुदर्शन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह (आईपीएल में) मेरा चौथा साल है, इसलिए मुझे लगता है कि इससे मुझे काफी अनुभव मिला है। मुझे कुछ मुश्किल परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला। गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलते हुए नेट्स में मुझे काफी तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीज जिसने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मदद की है या जिस तरह से मैंने अपनी टी20 बल्लेबाजी में सुधार किया है, वह खेल का समय है जो मुझे यहां मिलता है और टाइटंस के साथ मुझे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के साथ अभ्यास का मौका मिलता है।'

आईपीएल के वर्तमान सत्र में अभी तक 186 रन बनाने वाले सुदर्शन ने कहा, 'इन तीन वर्ष में मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता है कि इससे मुझे खेल को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है और खेल की बुनियादी बातों को भी समझने में मदद मिली है।' इस बीच आरसीबी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि पहले सात ओवरों में चार विकेट खोने से उनकी टीम के लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गई थी। फ्लावर ने कहा, 'हमने पावर प्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की लेकिन इस बीच हमने कुछ महत्वपूर्ण विकेट गंवाए। इससे मैच का पासा पलट गया। अगर आप पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो इससे आपके लिए परिस्थितियां मुश्किल हो जाती हैं।'

पिच को लेकर सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बताएं फ्रैंचाइजी : बीसीसीआई

-बीच सत्र में बदलाव संभव नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी फ्रैंचाइजियों से कहा है कि कि वे पिच को लेकर जो भी बातें कहनी हैं वह सत्र से पहले ही क्यूरेटर को बता दे। सत्र के बीच में इस बारे में कुछ न कहें। बोर्ड ने ये बात हाल ही में आये उस बयान के बाद कही है जिसमें लखनऊ सुपरजायंट्स के मुख्य कोच जहीर खान ने कहा था कि पिच घरेलू हालातों के अनुसार नहीं बनी है। जहीर ने यहां तक कहा था कि इस पिच को देखकर ऐसा लगा जैसे पंजाब के किसी क्यूरेटर ने इसे तैयार किया हो। आईपीएल में अभी तक हुए मैचों में सुपरजायंट्स ही नहीं कई अन्य टीमों ने भी पिच पर सवाल उठाये हैं। इन टीमों का कहना था कि उन्हें घरेलू मैदान का लाभ नहीं मिलता दिखा।

बोर्ड के बयान से साफ है कि बीसीसीआई आईपीएल

मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई परेशानी नहीं है। बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में पहले से बताये क्योंकि किसी भी प्रकार का बदलाव एक ही सप्ताह में नहीं हो सकता। इसमें कहा गया है कि पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए पर इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। ये सब एक सप्ताह में नहीं हो सकता।

बीसीसीआई की गाउडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी सहायता मिले और स्पिनर्स को भी जिससे इनमें अच्छा संतुलन बना रहे। आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती दौर में ही घरेलू मैदान की पिच को लेकर कई फ्रैंचाइजी ने असंतोष जताया है। लखनऊ के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी मांग की है कि ईडन गार्डन्स की पिच ऐसी हो जो स्पिनर्स की सहायता करे। वहीं दिल्ली कैपिटल्स का प्रबंधन भी अपने शुरुआती दो मैचों की पिच को लेकर क्यूरेटर से नाराज है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई सुपर किंग्स का भी जो घरेल पिच से संतुष्ट नहीं है।

रामलला के दर्शन करने पहुंचे सूर्यकुमार यादव, हनुमानगढ़ी मंदिर में भी की पूजा

अयोध्या (एजेंसी)। टीम इंडिया में टी-20 टीम के कप्तान और मुंबई इंडियंस के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने गुरुवार को यहां श्रीरामजन्मभूमि में भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन किए। सूर्य कुमार यादव आईपीएल में लखनऊ के खिलाफ मुंबई इंडियंस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लखनऊ और मुंबई के बीच मैच शुक्रवार को इकाना स्टेडियम पर खेला जाएगा।

मैच की पूर्व संध्या पर उन्होंने आज अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फिर दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान रामलला का आशीर्वाद लिया। उनके साथ दीपक चाहर और करण शर्मा समेत मुंबई इंडियंस के अन्य खिलाड़ियों के अलावा प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी हेमंत दास थे।

इस अवसर पर उन्होंने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि अयोध्या का विकास बहुत तेजी से हो रहा है और राम मंदिर के बनने से आसपास के जो भी जिले थे उनका भी विकास हो रहा है। मंदिर बहुत भव्य बना हुआ है। आईबी के निदेशक तपन डेका ने भी प्रसिद्ध

हनुमानगढ़ी मंदिर और श्रीरामजन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन किया। उनके साथ में अयोध्या रेंज के आई.जी. प्रवीण कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर भी मौजूद थे।

आरसीबी की हार का कारण बने उसके ही पुराने गेंदबाज सिराज

बेंगलुरु । तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 18 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 8 विकेट से हरा दिया। सिराज पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम में शामिल थे

पर इस बार वह गुजरात की ओर से खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस बार रिटेन न कर आरसीबी पछता रही होगी। इस मैच में सिराज के सामने आरसीबी के गेंदबाज टिक नहीं पाये। सिराज ने बहुत ही कसी हुई गेंदबाजी की और आरसीबी के 3 बड़ विकेट लिए। उन्होंने 4 ओवर में केवल 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। वहीं पिछले सत्र में जब गुजरात और आरसीबी का पहला मुकाबला हुआ था तब भी सिराज ही प्लेयर ऑफ द मैच थे पर उस समय वह गुजरात की ओर से खेल रहे थे। आरसीबी ने इस बार सिराज को रिलीज कर दिया था। इसके बाद हुई नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 12.5 करोड़ की बोली लगाकर उन्हें खरीदा था। इस बार मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। वहीं गुजरात ने जोस बटलर और साई सुदर्शन की विस्फोटक पारियों की सहायता से 18वें ओर में ही 8 विकेट से मैच जीत लिया।

बुमराह की वापसी को लेकर संशय बरकरार

मुम्बई । भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह चैम्पियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें जोखिम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फैक्टर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फैक्टर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

आईपीएल : करोडों की रकम मिली पर अब तक फ्लाप रहे ये क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में ऋषभ पंत, वेंकटेश अय्यर सहित पांच स्टार खिलाड़ी करोड़ों की रकम पाने के बाद भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। इस सत्र के लिए हुई मेगा निलामी में इन 5 खिलाड़ियों को 13 या इससे ज्यादा रुपये मिले पर इनका प्रदर्शन उसके करीब भी नहीं रहा।

ऋषभ पंत: आईपएल नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ रुपये लगाकर ऋषभ पंत को अपने साथ जोड़ा और कप्तान भी बनाया पर वह तीन मैचों में अब तक सिर्फ 17 रन बना पाए हैं। पहले मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाये जबकि दूसरे में 15 और तीसरे में केवसल 2 रन उन्होंने बनाए हैं। कप्तान के तौर पर वे तीन में से दो मैच हारे हैं। एक एक मैच ही वह जीत पाये हैं।

वेंकटेश अय्यर: कोलकाता नाइट

राइडर्स ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था पर तीन मैचों की दो पारियों में वे केवल 9 रन रन बना पाए हैं। पहले मैच में 6 रन, दूसरे में बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला और तीसरे में 3 रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा : मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को इस सत्र के लिए मेगा ऑक्शन के पहले रिटेंशन के तौर पर 16 करोड़ 30 लाख रुपये मिले। हालांकि, उनका प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा है। पहले मैच में शून्य , दूसरे मैच में 8 रन और तीसरे मैच में केवल 13 रन उनके नाम हैं। वे कुल 21 रन तीन मैचों में बना पाए हैं।

रिंकू सिंह: रिंकू सिंह अभी तक आईपीएल में सिर्फ लाखों रुपयों में खेल रहे थे पहली बार उन्हें आईपीएल 2025 के रिटेंशन में केकेआर ने 13 करोड़ रुपये में बनाये रखा। रिंकू हालांकि इसके हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाये। वह 3 मैचों की 2 पारियों में 29 रन रन बना सके हैं। एक मैच में उन्होंने 12 और एक मैच में 17 रन बनाए हैं।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल को राजस्थान रॉयल्स ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। हालांकि, आईपीएल 2025 के तीन मैचों में उन्होंने सिर्फ 34 रन ही बनाए हैं। पहले मैच में वे सिर्फ 1 रन बना पाए थे। दूसरे मैच में जरूर 29 बनाए, लेकिन अगले मैच में फिर से 4 रन पर आउट हो गए।

ईशान को इस बार भी बीसीसीआई अनुबंध मिलने की संभावना नहीं : रिपोर्ट

मुम्बई । पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन आजकल आईपीएल खेल रहे हैं। ईशान का इसमें अब तक का प्रदर्शन मिलाजुला रहा है। पहले ही मैच में उन्होंने शतक लगाया था पर बाद के मैचों में वह रन नहीं बना पाये। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड आने समय में केन्द्रीय अनुबंध देने जा रहा है। इसमें इस बार भी ईशान को अवसर मिलने की संभावना नहीं है। ईशान को घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण पिछले बार भी अनुबंध नहीं मिला था। ईशान केअलावा श्रेयस अय्यर को भी पिछले साल अनुबंध नहीं मिला था पर इस बार जहां श्रेयस की वापसी तय है, वहीं ईशान को अभी इंतजार करना होगा। श्रेयस ने बीसीसीआई की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेल लिया था और इससे उनकी भारतीय टीम में भी वापसी हो गयी थी। अभी श्रेयस आईपीएल में भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई अनुबंध सूची अभी जारी नहीं हुई है पर कहा जा रहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को इसमें ए प्लस में ही बनाये रखा जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई श्रेयस को अपना अनुबंध वापस दे सकती है। दूसरी ओर ईशान को अनुबंध वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किशन ने नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम की ओर से खेला था। ईशान बोर्ड की फटकार के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने लगे हैं पर अभी तक उनका प्रदर्शन ऐसा नहीं हुआ है कि उन्हें जगह मिल सके।

नितीश रेड्डी बोले- 295 ट्वंटी-20 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज को पीटने का है इरादा

नई दिल्ली - सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में अपने भारतीय साथी जसप्रीत बुमराह के साथ मुकाबला करने के लिए उत्साहित हैं। रेड्डी और बुमराह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में एक साथ खेले थे। 21 वर्षीय जो अब अंतरराष्ट्रीय अनुभव का दावा करता है, प्रीमियर पेसर के खिलाफ रन बनाने के बारे में सोच रहा है, जो वर्तमान में पीठ के निचले हिस्से की चोट के लिए बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (पूर्व में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में रिहैब से गुजर रहा है। बुमराह दुबई में भारत के खिताब जीतने वाले चैंपियंस ट्रॉफी अभियान से चूक गए थे, लेकिन आईपीएल में किसी समय उनकी वापसी होने की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला 17 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाना है। रेड्डी ने जियो हॉटस्टार के शो जेन बोल्ड पर कहा कि मैं इस चुनौती के लिए आभारी रहूंगा। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उनका सामना करना एक रोमांचक मुकाबला होगा। अगर मैं उनके खिलाफ कुछ रन बनाने में कामयाब हो जाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी होगी। बुमराह जैसे शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना ही खेल को रोमांचक बनाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट की इस पीढ़ी को विराट कोहली, रोहित शर्मा और अन्य दिग्गजों ने आकार दिया है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और हम उनकी विरासत को आगे ले जाने की आकांक्षा रखते हैं। जसप्रीत, रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी वास्तव में भारतीय क्रिकेट के लिए स्वर्णिम संपत्ति हैं। एमएस धोनी, कोहली और रोहित से सीखे जाने वाले किसी एक कौशल के बारे में रेड्डी ने कहा कि धोनी से मैं उनकी कप्तानी कौशल सीखना चाहूंगा। कोहली से मैं उनकी आक्रामकता और खेल के प्रति जुनून की प्रशंसा करता हूं। और रोहित से मैं उनके पुल शॉट में महारत हासिल करना चाहूंगा - यह बेहतरीन है।

तमंचे के बदले करते थे लूटपाट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक बाइक, तमंचा कारतूस व राह चलते लोगों से छीने गए पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम छपरौली गोल चक्कर पुश्ता के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनने की घटना को अंजाम देने वाले बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से सेक्टरी-135 स्थित मदर डेयरी के पास घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने स्प्लेंडर बाइक के पास खड़े दो युवकों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से तमंचा कारतूस व पांच मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम सुनील पुत्र प्रकाश सिंह व लकी पुत्र शेर सिंह निवासी ग्राम बाजितपुर बताया। पूछताछ में दोनों बदमाशों ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर राह चलते लोगों से तमंचे के बल पर मोबाइल फोन छीन लेते हैं। छीने गए मोबाइल फोन को वह राह चलते लोगों को सस्ते दामों में बेच देते हैं। बदमाशों ने बताया कि अगर किसी वारदात के दौरान वह भीड़ से घिर जाते हैं तो तमंचा दिखाकर वहां से फरार हो जाते हैं। पकड़े गए बदमाशों ने बताया कि उन्होंने मोबाइल छीनने की दर्जनों वारदातों को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

पृष्ठ एक के शेष....

विवाद के चलते....

मुकदमा दर्ज कराया है। हर्ष के पिता का आरोप है कि अवनीत ने कुछ दिनों पूर्व हर्ष से अवैध वसूली के नाम पर 2000 रुपए की मांग की थी। इनकार करने पर आरोपियों ने उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

अकबरपुर बहरामपुर कॉलोनी गाजियाबाद निवासी मनीष कुमार ने बताया कि उनका 20 वर्षीय पुत्र हर्ष कवि नगर गाजियाबाद में काम करने के लिए जाता था। 5 दिन पूर्व अभिनीत व दो अन्य अज्ञात युवकों ने उसके बेटे से अवैध वसूली के रूप में 2000 रुपए की मांग की। उसके बेटे ने जब पैसे देने से इनकार कर दिया तो तीनों ने उसके साथ जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। 29 मार्च की शाम को अभिनीत व दो लड़कों ने उसके बेटे हर्ष को घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान अभिनीत ने चाकू से हर्ष पर वार कर उसे घायल कर दिया। इस दौरान दो युवकों ने अपने हाथों में लिए डंडे से उसके बेटे की जमकर पिटाई की। चाकू लगने से उनका बेटा लहू लुहान होकर जमीन पर गिर गया जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आस पड़ोस के लोगों ने पुलिस को कॉल कर सूचना दी, जिसके बाद हर्ष को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

न्यू नोएडा के बोर्ड में....

न्यू नोएडा 209.11 वर्ग किमी में यानी 20 हजार 911.29 हेक्टेयर में बसाया जाएगा। इस मास्टर प्लान को चार फेज में पूरा किया जाएगा। 2023-27 तक इसके 3165 हेक्टेयर को विकसित किया जाएगा। इसी तरह 2027 से 2032 तक 3798 हेक्टेयर एरिया को विकसित किया जाएगा। इसके बाद 2032-37 तक 5908 हेक्टेयर और अंत में 2037-41 तक 8230 हेक्टेयर जमीन को विकसित करने का प्लान है।

न्यू नोएडा के लिए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस के साथ जहां जीटी रोड अलग होती है। सबसे पहले वहां से लगे गांव की जमीन का अधिग्रहण शुरू किया जाए। इस गांव में जोखाबाद, सांवली भी आता है। इन गांवों के प्रधान से बातचीत की गई। यहां आपसी समझौते के आधार पर जमीन किसानों से खरीदी जाएगी। इसके अलावा जोखाबाद और ग्राम सांवली में ही डीएनजीआईआर (न्यू नोएडा) का आस्थाई कार्यालय बनाया जाएगा।

बीबीए की छात्रा के ....

डीप फेक एडिट कर उसके फ्रेंड व जानकारों को भेज रहा है। सुकांत वर्मा की इस हरकत से वह मानसिक रूप से परेशान हो चुकी है। पीड़िता ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी को सोशल मीडिया से हटवाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है। इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।

डायबिटीज की शुरूआत में हमारा मुंह भी देता है वार्निंग साइन

टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज एक क्रॉनिक डिसीज है, जो दुनियाभर में लाखों लोगों को तेजी से प्रभावित कर रही है। ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के निर्माण के कारण ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि के कई लक्षण हो सकते हैं। वैसे तो डायबिटीज के कुछ लक्षण साफ नजर आते हैं और अधिकतर लोग इनके बारे में जानते भी हैं। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। विशेषज्ञों के अनुसार, डायबिटीज की शुरूआत ज्यादा भूख लगने, बार-बार पेशाब आने, थकान और चिडचिड़ेपन से होती है। इन मुख्य संकेतों के अलावा हमारा मुंह भी 3 वार्निंग साइन देता है। एक व्यक्ति की ओरल हेल्थ से उनके ब्लड शुगर लेवल सहित स्वास्थ्य के बारे में बहुत कुछ पता चल सकता है। आपकी मदद के लिए हम यहां आपको ऐसे ही 3 प्रमुख लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

सूखा हुआ गला

सूखा हुआ मुंह टाइप-1 और टाइप 2 डायबिटीज दोनों के सामान्य और शुरूआती लक्षणों में से एक है। इसमें व्यक्ति का मुंह जरूरत से ज्यादा सूखने लगता है और उसकी प्यास भी बढ़ जाती है। हालात ऐसे बन जाते हैं कि वह एक बार में गैलेन पानी तक पी लेता है। हालांकि, ब्लड शुगर लेवल में वृद्धि व्यक्ति को क्यों प्यासा महसूस कराती है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन कई सिद्धांतों के अनुसार, मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए ली जाने वाली कुछ दवाओं के कारण ऐसा हो सकता है। सूखे हुए मुंह के लक्षणों में जीभ में सूखापन, मुंह में नमी की कमी, फटे होंठ, मुंह में छाले और चबाने में कठिनाई जैसे लक्षण दिख सकते हैं।

दांतों का खराब होना

डायबिटीज के रोगी में मसूड़ों की बीमारी के चलते दांत खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। मसूड़ों के चारों तरफ प्लाक बनने से दांतों के बीच गैप आ जाता है, जिससे आसपास की पकड़ ढीली होने लगती है और दांत खराब हो जाते हैं। कई शोधों से पता चलता है कि अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों की तुलना में डायबिटीज रोगियों के दांत दोगुना टूटते हैं। वद्धावस्था और उन लोगों में जोखिम ज्यादा खतरनाक है, जो ओरल हेल्थ की देखभाल नहीं करते। सूजे हुए मसूड़े या दांत में दर्द हो , तो यह आपके दांतों के खराब होने का लक्षण है। ओरल हेल्थ से जुड़ी जटिलताओं से बचने के लिए डायबिटीज रोगी को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए। मधुमेह के ज्यादातर मामलों में लोग केवल पैर और आंखों की देखभाल पर ध्यान देते हैं। ऐसे में डेंटल केयर को कई बार दरकिनार कर दिया जाता है, जो मौखिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

मसूड़े का रोग

मुंह के सूखने पर दांतों के आसपास और मसूड़ों के नीचे लार का उत्पादन प्रभावित होता है। नतीजा, शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे कीटाणु और प्लैग का निर्माण होता है। यह आपके मसूड़ों को परेशान करने के साथ मसूड़ों की बीमारी, दांतों की सड़न और दांतों के झड़ने का कारण बनता है। अनियंत्रित मधुमेह के मामलों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा आम है। यह बीमारी इस बात का संकेत है कि आपका ब्लड शुगर लेवल खराब है और आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। गले में खराश, मसूड़ों में खून आना, संवेदनशील दांत, सांस की दुर्गंध, मुंह में खराब स्वाद आना मसूड़ों की बीमारी के लक्षण देखे गए हैं।

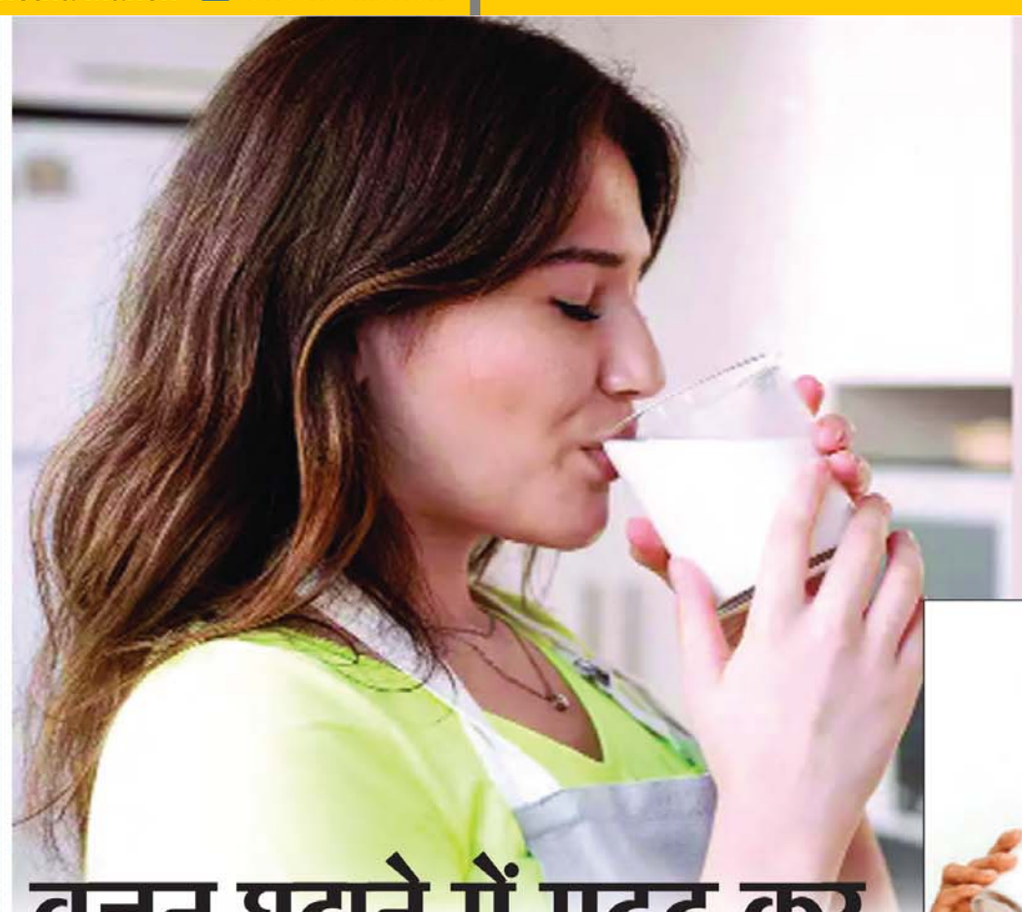

वजन घटाने में मदद कर सकता है एक गिलास दूध

दूध पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं, यह बात तो हम सब जानते हैं। पर क्या आपको पता है रोजाना एक गिलास दूध पीने से आप अपना कई किलो वजन भी कम कर सकते हैं। जी हां आइए जानते हैं कैसे दूध का सेवन करने से व्यक्ति घटा सकता है अपना कई किलो वजन और डाइट में इसे शामिल करने से व्यक्ति को होते हैं क्या-क्या फायदे।

दूध में प्रोसेन, एल्बिनिन और ग्लोबुलिन जैसे प्रोटीन प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो व्यक्ति के हंगर हार्मोन को रेगुलेट करने का काम करते हैं। दूध का सेवन करने से पेट जल्दी तृप्त हो जाता है। इतना ही नहीं दूध भूख बढ़ाने वाले हार्मोन घ्रेलनि के स्तर को कम करते हुए, भूख कम करने वाले हार्मोन जैसे जीएलपी -1, पीवाईवाई और सीसीके के स्तर को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति कम कैलोरी का सेवन करता है और उसे अपना वजन कम करने में सहायता मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट और वैलनेस एक्सपर्ट के अनुसार सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध पीने से नींद अच्छी आती है। दूध में ट्रिप्टोफैन, मैग्नीशियम और मेलाटोनिन जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो नींद की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। ये सभी पोषक तत्व मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ाकर नसों और मांसपेशियों को आराम पहुंचाने का काम करते हैं। चूंकि दूध प्रोटीन से भरपूर होता है, इसलिए यह वजन घटाने और मांसपेशियों के निर्माण में भी बेहद सहायक है। दूध जैसे प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ चयापचय में सुधार करके व्यक्ति को लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होने देते। जिसकी वजह से कैलोरी की मात्रा कम हो जाती है और व्यक्ति को वजन कम करने में भी मदद मिलती है। दूध पीने के फायदे -

वजन कम करने में मददगार

दूध में मौजूद कैल्शियम न सिर्फ हड्डियों और दांतों के निर्माण में मदद करता है बल्कि यह वजन कम करने में भी मदद कर सकता है। सेहत पर हुए कुछ अध्ययनों के अनुसार, कैल्शियम और विटामिन डी शरीर का चयापचय बढ़ाकर कैलोरी जलाने में मदद करती है। इसके अलावा दूध में मौजूद संयुग्मित लिनोलेनिक एसिड फेट को बर्न करने में भी मददगार होते हैं।

एनर्जी बढ़ाने में कारगर

दूध में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन उपलब्ध होता है। यही वजह है कि रोजाना इसे डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म दूध से करने से शरीर दिनभर ऊर्जावान बना रहता है। इसके साथ ही ये मांसपेशियों के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है।

कब्ज की समस्या

अगर आपको कब्ज की समस्या है तो गर्म दूध पीना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। ये पाचन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जिन्हें कब्ज की समस्या है वो गर्म दूध को दवा के तौर पर अपना सकते हैं।

अनिंद्रा की समस्या

रात में दूध पीने का ये सबसे बड़ा फायदा है। कई ऐसे अध्ययन सामने आए हैं जिनके अनुसार, रात को सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीने से नींद अच्छी और भरपूर आती है।

ब्लड प्रेशर

दूध पीने के फायदे में रक्तचाप को नियंत्रित करना भी शामिल है। जी हां, लो-फैट मिल्क का सेवन करने से हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

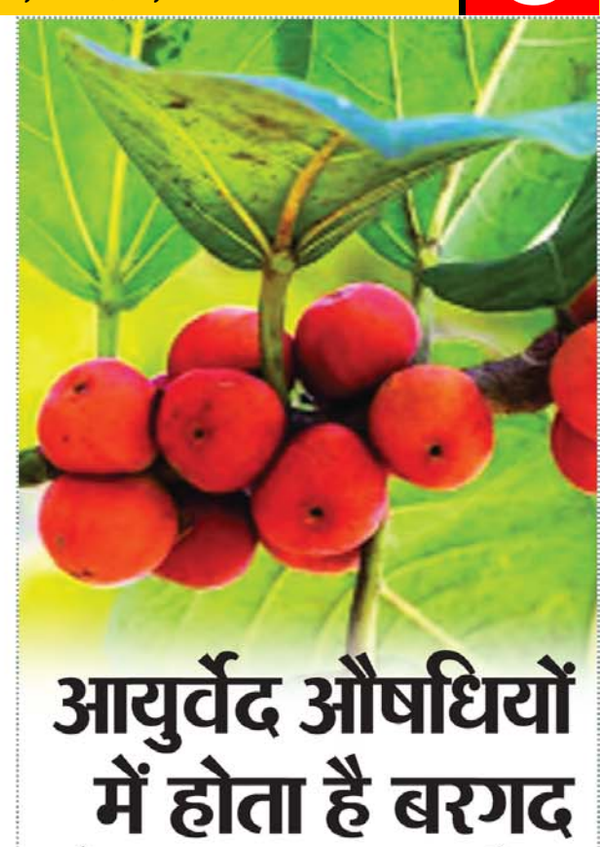

आयुर्वेद औषधियों में होता है बरगद के फल का प्रयोग

बरगद के फल खनिज लवणों, एंटीऑक्सीडेंट और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होते हैं जो उच्च रक्तचाप से लेकर कोरोनरी हृदय रोग के जोखिम को कम करने में सहायक है। इस पेड़ से मिलने वाले लाभों के बारे में हमें आयुर्वेदिक डॉक्टर ने विस्तार से जानकारी दी है। आज हम आपको इस पेड़ से होने वाले कई फायदों के बारे में बता रहे हैं।

इम्यूनिटी बूस्टर

बरगद का फल फल एक इम्यूनिटी बूस्टर है। इम्यूनिटी बढ़ाने में बरगद का फल काफी फायदेमंद होता है। यह आपको कई बीमारियों से बचाता है और आपको खांसी, जुकाम, फ्लू आदि से भी दूर रखता है। आयुर्वेद में इस पेड़ को वट वृक्ष के नाम से जाना जाता है। बेंगलुरु के जीवोत्तम आयुर्वेद केंद्र के वैद्य डॉ.शरद कुलकर्णी ख्रट्ट (इभफ),(घ्द्धक्र) ने हमसे बातचीत में बताया बरगद के पेड़ से मिलने वाली हर एक चीज का प्रयोग प्राचीन काल से ही कई तरह की औषधि के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि बरगद के फल से लेकर इसकी छाल, पत्ते, दूध और बीजों का भी कई रोगों के उपचार में उपयोग किया जाता है।

बरगद के फल के पोषक तत्व

इसका वानस्पतिक नाम फिकस बेंगालेंसिस है। इस पेड़ के फल में भरपूर मात्रा में कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी1, विटामिन बी3 होता है। इसके अलावा इसकी पत्तियों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम और फास्फोरस पाया जाता है। बरगद में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है।

दिल के लिए फायदेमंद

बरगद के पेड़ के फल पोटेशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, ओमेगा 3 और 6 से भरपूर होते हैं, जो स्वस्थ दिल के लिए बहुत जरूरी हैं। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक आमतौर पर तब होता है जब मानव शरीर में सोडियम का स्तर बढ़ जाता है जिसके टलते शरीर की धमनियां काम करना बंद कर देती हैं। सोडियम का हाई लेवल धमनियों को श्रिंक यानी संकुचित करता है और पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन की स्पीड को धीमा कर देता है। डॉ. के अनुसार, बरगद के फल में मौजूद पोटैशियम सोडियम के स्तर को कम करने में कारगर होता है। इसमें कई ऐसे तत्व होते हैं जो रक्तचाप को कम करते हैं और कोरोनरी हृदय रोग को रोकने के लिए उपयोगी होते हैं।

मधुमेह में लाभदायक

डॉ.ने बताया कि अगर डायबिटीज के रोगी हर रोज बरगद के फल के चूर्ण का सेवन करें तो उन्हें इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। मधुमेह के मरीज चाहें तो बाजार से इसका पाउडर ले सकते हैं या फिर घर पर इसका उबला हुआ पानी पी सकते हैं।

पेट के रोग को दूर करता है

अगर आप डायरिया और पेचिश से परेशान हैं तो बरगद के पत्तों की कलियां बहुत फायदेमंद होती हैं। आयुर्वेद में इसका उपयोग पुराने दस्त और पेचिश के इलाज के लिए किया जाता है।

इन समस्याओं से भी दिलाता राहत

आयुर्वेद में स्किन डिसीज यानी चर्म रोगों के इलाज के लिए भी बरगद के पेड़ की छाल और पत्तों का प्रयोग किया जाता है। जोड़ों के दर्द को भी कम करने में बरगद के पत्तों का पानी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसके पाउडर को गर्म पानी में मिलाना है और फिर उस पानी में पैर डालने हैं, इससे आपका दर्द कम हो जाएगा।

पसीने के चलते पैरों में होता है इन्फेक्शन

गर्मियों के मौसम में अक्सर मोजे पहनने के बाद उन्हें उतारते ही बदबू का अहसास होता है। ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। इसके अतिरिक्त पसीने की वजह से कई लोगों के तलवों अंगुलियों के निचले हिस्से से खाल उतरने लगती है या खाल नम हो जाती है, यह एक प्रकार का संक्रमण है जिसे एथलीट फुट कहा जाता है। लेकिन इस इन्फेक्शन में पैर एथलीट के पैरों की तरह मजबूत नहीं होते, बल्कि सडने लगते हैं और ऐसा पैरों से निकलने वाले पसीने के चलते ही होता है। यह एक तरह का दाद है जो पैर की उंगलियों से शुरू होकर पूरे शरीर में फैल सकता है। इस संक्रमण में पैर और तलवे की त्वचा सडने लगती है। पसीने में तर मोजे और जूते को पहनने से गर्मियों में पैरों में दाद की समस्या भी काफी बढ़ जाती है। जूते पहनने के बाद पैरों से लगातार पसीना आता है। इसी पसीने में बैक्टीरिया पनपते हैं। पैरों से निकली डेड स्किन के साथ मिलकर ये बैक्टीरिया दुर्गंध पैदा करते हैं। अगर किसी के पैरों से बहुत दुर्गंध आ रही हो तो इसका मतलब है कि उसके पैरों में बड़ी संख्या में बैक्टीरिया फैल चुका है।

पैर शरीर के उन अंगों में से एक है, जहां सबसे ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में लोग जूते के साथ मोजे पहनते हैं। मोजे को धोने से पसीना भी धुल जाता है और पैरों में बैक्टीरिया और फंगस नहीं फैलता। लेकिन यदि कोई एक ही मोजे को बार-बार पहने या बिना मोजे के जूता पहने तो जूते में पसीना जमा होने लगता है। जिसके चलते बैक्टीरिया और फंगस बढने लगते हैं। इस इन्फेक्शन की वजह से ये फंगस पैरों में दाद-खाज की वजह बन जाते हैं। इसके अलावा कभी भी एक ही मोजा बार-बार बिना धुले न पहनें। मोजे को धुलने के बाद भी अच्छे से डिसइंफेक्टेड करना जरूरी है। धोते हुए ध्यान रखें कि मोजे से डिटर्जेंट अच्छी तरह से निकल जाए नहीं तो ये रैशेज और जलन का कारण हो सकता है। मोजे पहनते हुए ख्याल रखें कि वह पूरी तरह से सूखें हों और उनमें थोड़ी भी नमी न हो। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि पसीने की नमी कई तरह के इन्फेक्शन का कारण बन रही है। ऐसे में जरूरी है कि समय-समय पर तलवों तक खुली हवा पहुंचे और वह सूखे रहें।

इसके लिए कोशिश करनी चाहिए कि सप्ताह में कम से कम एक दिन जूते-मोजे की जगह सैंडल या चप्पल पहन कर बाहर निकलें और यदि घर पर हों तो स्लीपर पहनने की कोशिश करें। टाइट जुराब ब्लड सर्कुलेशन को धीमा कर देते हैं। इसके अलावा टाइट मोजे बॉडी हीट को भी बाहर नहीं आने देते, जिससे ओवरहीटिंग की समस्या हो सकती है। पैरों को भी ब्रीथ करने की जरूरत होती है। इसलिए पैरों को समय-समय पर खुले रखना और लूज जुराब पहनना जरूरी है। अपने पैरों के साइज से थोड़े बड़े और कॉटन के मोजे पहनें। मोजे बस इतने टाइट होने चाहिए, जिससे स्किन पर निशान न पड़ें। अगर मोजे से स्किन पर निशान पड़ता है तो इसका मतलब है कि आपको इससे बड़े साइज के मोजे लेने की जरूरत है।

आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आपकी मदद कर सकती हैं आंखों के योग की क्रियाएं

अगर काम के कारण आपकी आंखों में दर्द और थकान रहती है, तो फेशियल योग आपकी मदद कर सकता है। इस योग क्रिया को करने से मात्र 10 मिनट में आग और दिमाग रिलेक्स हो जाएंगे। क्या आप कंप्यूटर के सामने बैठते वक्त अपनी आंखों को रगड़ते हैं। अगर ऐसा है, तो आप अेकेले नहीं हैं। आजकल औसत वयस्क अब दिन में आठ घंटे से ज्यादा समय किसी न किसी प्रकार की स्क्रीन के सामने बैठे रहते हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम ने आंखों में धुंधलापन, खुजली, सिरदर्द, थकान और आंखों में दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि की है।

दरअसल, स्क्रीन पर ज्यादातर समय बिताने की प्रक्रिया में लोग अपने शरीर के सबसे जरूरी अंग आंखों को भूल जाते हैं। कंप्यूटर और लैपटाप पर काम करते-करते आंखों में दर्द , जलन या थकान महसूस करने लगते हैं। कमजोर या थकी हुई आंखों के कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन अगर आप भविष्य में आंखों में धुंधलेपन से बचना चाहते हैं, तो आंखों के लिए योगा की कुछ क्रियाएं आपकी मदद कर सकती हैं। इन्हें करने से मात्र 10 मिनट में न केवल आंखों को बल्कि दिमाग को भी आराम मिल जाएगा। आंखों को आराम देने वाली 3 योग क्रियाएं -

स्टेप-1

- फेशियल योग करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसे पोंछकर चेहरे पर कोई सिरम या फेस ऑयल लगा लें।
- अब कुछ सैकंड्स इससे मसाज करें। आपका फेस योगा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।
- सबसे पहले स्टेप में उंगली से अंदर आंखों पर अंदर से बाहर की तरफ मसाज करें।
- हल्के प्रेशर के साथ उंगली को घुमाएं। वैसे आप चाहें, तो इस दौरान आंखें खुली रख सकते हैं , लेकिन बंद रखेंगे तो आंखों को ज्यादा आराम मिलेगा।
- इस स्टेप को आप दो से तीन मिनट तक दोहराएं।
- इसके बाद बाहर से अंदर की ओर सर्कल बनाते हुए मसाज करें।
- कुछ देर मसाज करने के बाद रिलेक्स करें।

स्टेप-2

- इस स्टेप में इंडेक्स और मिडिल फिंगर से वी शेप बनाएं।
- इसे अपनी आंखों के दोनों कोनों पर रखें।
- अब कुछ देर बिना रूके पलकों को झपकाते रहें। रिलेक्स करें और फिर दोहराएं। यहां आंखों पर रखी उंगलियों मसल्स को सपोर्ट करेंगी, जिससे आंखों पर बहुत ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा।
- इस स्टेप को एक बार में एक मिनट तक करें, रिलेक्स हो जाएं और फिर शुरू करें।

स्टेप-3

- अपनी आंखों को बंद कर लें ।
- अब आईबॉल पर उंगली से हल्का प्रेशर करते हुए अंदर से बाहर की ओर घुमाएं। इसके बाद बाहर से अंदर की ओर घुमाएं।
- अब अपने हाथों की सभी उंगलियों को एकसाथ मिला लें और एक-एक हाथ कारके आंखों पर एक-एक कर रखें।
- फिर दोनों हाथों की उंगलियों को आंखों पर रखकर रिलेक्स करें।
- इस स्टेप को आप एक बार में दो से तीन मिनट तक रिपीट कर सकते हैं। चूंकि आंखों के आसपास की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए इसे करते समय ध्यान रखें कि आंखों पर ज्यादा दबाव न पड़े।

इन फेशियल एक्सरसाइज को दिन के किसी भी समय किया जा सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि योग करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें। त्वचा पर सीरम या मॉइश्चराइजर लगा लें। ऐसा करने से स्टेप करना आसान हो जाएगा और स्किन भी डैमेज नहीं होगी।

सहज किरदार और हर विधा में करना चाहता हूं काम

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी आकांक्षाओं के बारे में बात की और कहा कि वह हर विधा में काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह मजेदार और सहज किरदार निभाना चाहते हैं। राघव ने कहा, मैं हर विधा में काम करना चाहता हूं और मजेदार, सहज किरदार निभाना चाहता हूं, जहां मैं बस आराम से रह सकूं और अच्छा समय बिता सकूं, लेकिन साथ ही शानदार और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं भी निभाना चाहता हूं, जो मुझे प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, मैं अभिनय करूंगा, मैं डांस करूंगा, मैं होस्ट करूंगा और मैं इस इंडस्ट्री में पेश की जाने वाली हर चीज करूंगा। मैं कुछ भी मिस नहीं करना चाहता, मैं सब कुछ करना चाहता हूं। राघव हाल ही में एक्शन फिल्म किल में नजर आए थे। उन्होंने कहा कि आलोचना एक व्यक्ति को अपने काम को बेहतर बनाने में मदद करती है। आलोचकों ने उनके जीवन को आकार दिया है। उन्होंने बताया, मेरी जिंदगी आलोचकों द्वारा बनाई गई है, मेरे करियर में बदलाव उनके द्वारा प्राप्त मान्यता के कारण हुआ, खासकर किल के साथ। यह एक अभिनेता के लिए काम करता है क्योंकि इससे अधिक अवसर भी मिलते हैं। अपनी छवि को किसी ऐसी चीज से बदलना अविश्वसनीय रूप से कठिन है जिसके लिए आप प्रसिद्ध हैं। राघव को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए स्लो मोशन किंग के रूप में जाना जाता है। वे डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे। उन्होंने 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा फिल्म सोनाली केबल से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

स्त्री 2 के बाद बड़ा धमाल मचाएंगी श्रद्धा

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दर्शकों का दिल जीता था। इसके बाद से उन्होंने अपनी अगली फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। हालांकि, अब खबर आ रही है कि श्रद्धा जल्द ही तुम्बाड़ के निर्देशक राही अनिल बर्वे के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाली हैं। इस फिल्म का निर्माण एकता कपूर करेंगी। हालांकि, अभी इसकी कहानी और नाम का खुलासा नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा और एकता कपूर कई फिल्मों को लेकर बातचीत कर रही हैं।

श्रद्धा को पसंद आई फिल्म की कहानी

रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और श्रद्धा इसकी अनोखी कहानी से बेहद प्रभावित हैं। उन्हें लगता है कि यह अनाम थ्रिलर स्त्री 2 के बाद उनके लिए एक शानदार फिल्म हो सकती है। श्रद्धा इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में श्रीलीला की जगह नजर आएंगी राशा

पुष्पा 2 के किसिक गाने में अपने बेहतरीन डांस से सभी को अपना दीवाना बना चुकीं श्रीलीला को बॉलीवुड की एक फिल्म से दरकिनार कर दिया है और अब उनकी जगह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को ले लिया गया है, जो पहले ही उई अम्मा गाने से आपको अपना दीवाना बना चुकी हैं। श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है, जिसकी वजह और कोई नहीं बल्कि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं। एक खबर के मुताबिक, श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं। जिसे लेकर कार्तिक और श्रीलीला दोनों ही अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते रहते हैं।

पति पत्नी और वो 2019 में रिलीज हुई एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसे मुदस्सर अजीज द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। यह फिल्म 1978 में इसी नाम की फिल्म का रीमेक है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन , भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई थी। अब इसका सीक्वल आएगा।

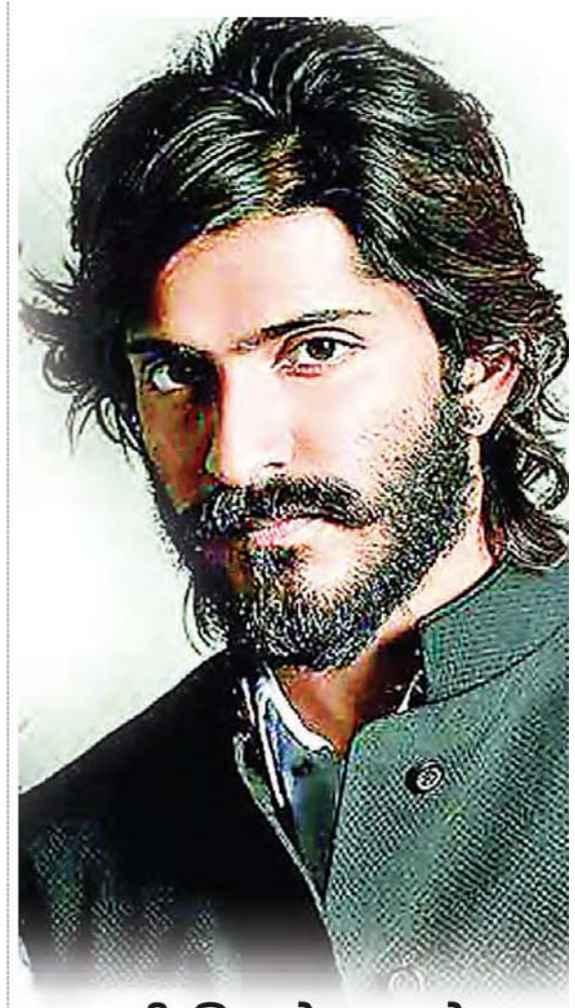

पुरानी फिल्में बनाने पर अभिनेता का तंज, कहा सपोर्ट मिला तो करेंगे धाकड़ फिल्म

हाल ही में अभिनेता हर्षवर्धन कपूर ने निर्माताओं को पुरानी फिल्मों को महत्व देने पर टिप्पणी की है। आजकल ज्यादा बजट की फिल्मों के बार में भी एक्टर ने अपने विचार प्रकट किए हैं। आखिर अभिनेता ने किस बात पर कहा कि अगर समर्थन मिला तो शानदार फिल्म बनाएंगे। बॉलीवुड के हालिया प्रदर्शन पर अभिनेता की टिप्पणी हर्षवर्धन कपूर ने अपने एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि आज 2025 में भी 1980 की फिल्मों को जगह दी जा रही है, जो फिल्में अच्छी भी नहीं थी। इसके बाद एक यूजर ने बॉलीवुड के समाप्त होने की बात कही, तो अभिनेता ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बॉलीवुड केवल उन बड़े दिग्गज कलाकारों के लिए नहीं है। अब फिल्म निर्माताओं को कम बजट की फिल्मों पर दांव लगाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि शुरुआती कम लगात की फिल्मों को देखने दर्शक आएंगे। इसके अलावा उन्होंने अपनी फिल्म थार का हवाला देते हुए बताया कि यह फिल्म 20 करोड़ रुपये में बनी थी, जो कई बड़ी लागत वाली फिल्मों से बेहतर थी। पैसों का उपयोग सिर्फ फिल्म बनाने में किया गया था।

हर्षवर्धन ने किया ये वादा

एक्स पर जब उनसे एक यूजर ने उनकी फिल्मों के बारे में सवाल किया तो उन्होंने उसके जवाब में लिखा कि इस क्षेत्र में कुछ भी अलग करना एक चुनौतीपूर्ण काम है। उन्होंने बताया कि भावेश और थार जैसी फिल्मों को बनाने में कई साल लग सकते हैं। आगे अभिनेता ने कहा कि अब निर्माता को कम बजट वाली फिल्में बनाने की ओर ध्यान देना चाहिए।

ईशा मालवीय होंगी 'नागिन' सीरियल की नई हीरोइन

एकता कपूर के सीरियल 'नागिन' के जरिए कई एक्ट्रेस टीवी पर मशहूर हो गई। यही कारण है कि इस सीरियल का हिस्सा कई एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। कुछ समय पहले ईशा मालवीय का नाम भी 'नागिन' के अगले सीजन के लिए सामने आया। प्रोडक्शन हाउस ने इस पर अब तक कुछ नहीं कहा है लेकिन ईशा मालवीय ने हाल ही में इस बारे में बात की। बातचीत में ईशा मालवीय ने 'नागिन' सीरियल के बारे में बात की। वह कहती हैं, 'मैं इस बारे में अभी कुछ नहीं जानती हूं। अगर आप ऐसा कुछ होते हुए देखना चाहते हैं तो एकता कपूर मैम को मैसेज कीजिए।' इस जवाब के जरिए ईशा ने यह तो जता ही दिया कि वह 'नागिन' सीरियल का हिस्सा बनना चाहती हैं।

खतरों के खिलाड़ी को लेकर भी बोलीं

आगे ईशा मालवीय से सवाल किया गया कि क्या वह 'खतरों के खिलाड़ी' का हिस्सा बनना पसंद करेंगी। इस पर ईशा ने कहा, 'मैं किसी भी प्रोजेक्ट को मना नहीं करती हूं। इसलिए 'खतरों के खिलाड़ी' भी करना चाहूंगी।' ईशा को एडवेंचर, एक्शन करने का शौक है।

'बिग बॉस 17' के कारण चर्चा में आईं ईशा

ईशा मालवीय कुछ महीनों पहले रियालिटी शो 'बिग बॉस 17' में नजर आई। वह कई हफ्तों तक इस शो में बनी रहीं। इस शो के जरिए ही ईशा की फैन फॉलोइंग काफी बढ़ गई थी। शो से निकलने के बाद ईशा ने कुछ म्यूजिक वीडियोज में काम किया।

जाट में नजर आएगा नए दौर का एक्शन

बॉलीवुड में मौजूदा दौर के हीमैन सनी देओल अपनी बहुप्रतीक्षित अगली फिल्म जाट ला रहे हैं। दिलचस्प यह है कि इसे पुष्पा बनाने वाले मेकर्स के बैनर से बनाया गया है। फिल्म गदर 2 के बाद से सनी फिर से अपने सुनहरे दौर को जी रहे हैं। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश:

अब आपको रिलीज को लेकर नर्वसनेस तो नहीं रहती?

वह तो नहीं है, मगर आजकल सोशल मीडिया का दौर है, जहां सब चीज का शोर मचाना शुरू हो गया है। पहले क्या होता था कि हम शूट करते थे तो पता भी नहीं चलता था। अब सबको पता रहता है। मेरा मानना है कि आजकल लोग फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद समझ जाते हैं, वे तय करते हैं कि फिल्म कैसी होगी। बेशक आज भी कुछ ऐसे स्टार्स हैं, जिनका अच्छा कलेक्शन ओपनिंग डे पर ही आ जाता है। बाद में भले फिल्म पसंद आए या न आए।

आज भी आप बॉडी डब्ल्स यूज नहीं करते?

जी हां। आज के जमाने में तो एक्शन सीक्वेंसेज फिल्माना और भी आसान हो गया है। क्योंकि हर चीज बड़ी नाप-तौल के साथ होती है। बल्कि पहले जब हम एक्शन करते थे तो बहुत कठिन होता था। उस वक्त ना केबल्स थे, ना कोई एयर बैग्स थे। अगर आपने छलांग मारी तो सीधे जमीन पर ही गिरना है। अब सब आसान हो गया है। वरना पहले के दौर में तो मैं सीक्वेंसेज के चलते चार-छह महीने बिस्तर पर रहता था। कितने सारे ऑपरेशंस हुए पड़े हैं।

जाट करने में क्या नया लगा?

इस फिल्म में एक कहानी है, जो किरदार और घटनाक्रम को आगे लेकर चलती है। जैसे घातक में थी। मैंने ज्यादातर वैसे किरदार ही निभाए हैं। यहां जाट से पहले हमने एक और कहानी तय की थी। एक बड़े डायरेक्टर के साथ। फिर बाद में डायरेक्टर गोपीचंद आए। उन्होंने जब मुझे इसकी कहानी सुनाई। उसे सुनते ही मैंने फिल्म में काम करने के लिए हां कह दिया था। देश के सभी किसान मूल रूप से जाट ही हैं। अब किरदार मेरा किसान है या कुछ और वह इस वक्त नहीं बता सकता, वरना कहानी रिवील हो जाएगी। मैंने जाट में किसानों की बात कहने की कोशिश की है।

क्या आपके साथ सिनेमा इंडस्ट्री में काभी पॉलिटिक्स हुई है?

देखिए, हम फार्मर और जाट लोग हैं। मेरा तो हमेशा मानना है कि पापा की तरह हम भी लोगों के दिलों में रहे। भगवान की दया से वैसा हुआ भी है। मैं जहां भी जाता हूं, लोग अच्छे से मिलते हैं। उनकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। मेरे हिसाब से हर इंडस्ट्री एक सी ही है। हर चीज का एक तरीका होता है। जहां टैलेंट की वैल्यू होती। पर हां लोगों के दिलों में हम हैं तो फिर कोई मसला होता नहीं।

आपकी इस फिल्म की कहानी क्या है?

कहानी में एक ऐसी जगह है, जहां विलेन का कहर है। काफी वॉयलेंस एग्जिस्ट करता है। वैसी जगहें हूबहू तो नहीं, मगर असल जीवन में भी होती हैं, जहां लोग काफी कुछ सहते हैं। जैसे कुछ खास इलाकों में लोग दबकर रहते हैं या मार दिए जाते हैं। उस तरह के विलेन से क्यों और कैसे मेरा किरदार उलझता है, कहानी उस बारे में है।

रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट टली

साउथ अभिनेता और मास महाराजा रवि तेजा के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म मास जतारा का दमदार टीजर जारी किया गया था, जिसमें रवि पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आए। वहीं अब यह जानकारी आई है कि इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। साउथ अभिनेता रवि तेजा इन दिनों अपनी फिल्म मास जतारा को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में उनके साथ पुष्पा फेम अभिनेत्री श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म को भानु बोगावरापु द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। रवि तेजा की मास जतारा को लेकर जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार फिल्म को अब 9 मई, 2025 की जगह जुलाई की किसी तारीख को रिलीज किया जाएगा। पवन कल्याण अभिनीत हरि हर वीरा मल्लू की रिलीज डेट और रवि तेजा की मास जतारा की रिलीज डेट एक ही दिन होने के कारण ही इसकी रिलीज डेट में बदलाव किए गए हैं। यानी की अब रवि तेजा की फिल्म के लिए फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि अब फिल्म मई की जगह जुलाई मे रिलीज होगी।

प्राधिकरण अधिकारियों और कर्मचारियों ने सीखे फायर सेफ्टी के उपाय

नोएडा (चेतना मंच)। गर्मी बढ़ने के साथ आग की घटनाएं बढ़ रही है। बीते एक सप्ताह में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आग की कई बड़ी घटनाएं सामने आई। ग्रेटर नोएडा के गर्ल्स हॉस्टल में आग लगी। यहां लड़कियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। जबकि नोएडा के सेक्टर-18 कृष्ण अपरा प्लाजा में लगी। यहां 22 लोगों को चोट लगी। तीन गंभीर रूप से घायल हुए। ऐसे में लोगों को पता होना चाहिए कि आग बुझाने के उपकरणों का प्रयोग सही समय पर कैसे किया जाए।

इसी की ट्रेनिंग के लिए शुक्रवार को एक कार्यशाला का आयोजन नोएडा के सेक्टर-91 पंचशील बालक इंटर कॉलेज में किया गया। जिसमें फायर सेफ्टी ऑफिसर ने आग से बचने, आग लगने के दौरान उपकरणों की जानकारी, धुंआ से बाहर कैसे निकले यदि ऊचाई पर फंसे है उस समय क्या करे और क्या नहीं करे। इसकी पूरी जानकारी ट्रेनिंग के जरिए दी। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी और दो हजार से ज्यादा संविदा कर्मी मौजूद रहे।

यहां बतौर आग लगने के दौरान फायर एस्टिंग्यूशर से किस तरह से बुझाया जाए। इसका प्रैक्टिकल कराया गया। एसीईओ संजय खत्री ने आग को बुझाया इस दौरान यदि धुंआ भर जाए और सांस लेने में परेशानी होने पर गीले कपड़े का प्रयोग, कमरे में धुंआ भरने पर नीचे बैठकर बाहर आने की तरीके भी सिखाएं गए।

वहीं बताया गया कि गर्मी में आग की घटनाएं बढ़ रही है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक सामान की मैनटेनेंस कराई जाए। ताकि शॉट सर्किट की संभावना को कम किया जा सका।

जिला अस्पताल का निरीक्षण किया चिकित्सा सचिव रितु माहेश्वरी ने

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी ने शुक्रवार को नोएडा में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने के लिए दौरा किया। उनका यह दौरा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण करने के उद्देश्य से है। शुक्रवार की सुबह रितु माहेश्वरी जिला अस्पताल पहुंची, जहां उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं और उपचार सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद, वह भंगेल और बरौला स्वास्थ्य केंद्रों में गईं। जहां क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा करेंगी।

शनिवार को उनका दौरा ग्रेटर नोएडा और देहात क्षेत्र में स्थित स्वास्थ्य केंद्रों पर होगा। यहां वह स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण करेंगी। जिला अस्पताल में निरीक्षण के दौरान सीएमओ डा. नरेन्द्र कुमार, सीएमएस डा. रेनू अग्रवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे ।शनिवार को सचिव रितु माहेश्वरी स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगी। स्वास्थ्य विभाग और जिला अस्पताल प्रबंधन ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों को विकास कार्यों की रिपोर्ट तैयार रखने के निर्देश दिए हैं।

नोएडा पुलिस कमिश्नरी ने कर दिया कमाल, हासिल किया नम्बर-1 का खिताब

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस कमिश्नरी पुलिस ने कमाल कर दिया है। नोएडा कमिश्नरी पुलिस उत्तर प्रदेश में दूसरे पुलिस कमिश्नरेट को पीछे छोड़ते हुए नम्बर-1 बन गयी है। बेहतरीन पुलिसिंग में नोएडा पुलिस कमिश्नरी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। नोएडा पुलिस कमिश्नरी के सभी 27 थानों को प्रथम रैंक प्राप्त हुई है।

नोएडा पुलिस कमिश्नरी की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में नोएडा पुलिस ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को निपटाने में पहला स्थान प्राप्त किया है। नोएडा कमिश्नरेट के सभी थाने भी शिकायतें निपटाने में प्रथम रैंक पर आए हैं।

मुख्यमंत्री उ0प्र0 कार्यालय द्वारा जारी मूल्यांकन रिपोर्ट में माह मार्च में नोएडा पुलिस कमिश्नरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के सभी 27 थानों द्वारा उत्तर प्रदेश में प्रथम रैंक प्राप्त की गई है। इसके पूर्व भी पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर निरंतर 6 माह से प्रदेश में जनशिकायतों के निस्तारण में प्रथम स्थान पर रही है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा आई0जी0आर0एस0 पोर्टल (जनसुनवाई पोर्टल) पर उच्च स्तर से प्राप्त शिकायती सन्दर्भ का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए माह के प्रत्येक शुक्रवार को समीक्षा की जाती है, जिसके कारण कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा रैकिंग में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया जा रहा है।

आईजीआरएस एक ऑनलाइन प्लेटफार्म है जिसको सरकार द्वारा प्रदेश के नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के समाधान के लिए स्थापित किया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को एक आसान और प्रभावी समस्याओं के निस्तारण के लिए एक माध्यम प्रदान करना है। जिसके माध्यम से आम जन मानस अपनी शिकायतें दर्ज कर सकें और उनका त्वरित समाधान प्राप्त कर सकें। यह नागरिकों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी समाधान का प्रमाण है। जब शिकायतों का समाधान जल्दी और सही तरीके से किया जाता है, तो नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। शिकायतों के निस्तारण किए जाने में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने उत्तर प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया गया है। नोएडा पुलिस के अधिकारियों द्वारा सम्पर्क कर मौके पर जाकर जॉच करने पर फीडबैक का प्रतिशत बढा है।

पुलिस टीम को किया पुरस्कृत

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को निपटाने में पहला स्थान प्राप्त करने पर पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा आईजीआरएस टीम प्रभारी निरी0 उमेश नैथानी व उनकी टीम को 25000 हजार रूपये से पुरस्कृत किया गया है तथा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के प्रत्येक थाना प्रभारी व ऑपरेटर एवं टीम को 2500 रूपये से पुरस्कृत किया गया है।

गे-ऐप के जरिए दोस्ती फिर लूट और ब्लैकमेलिंग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस ने नोएडा में सबसे गंदे खेल की पोल खोल दी है। नोएडा पुलिस ने एक ऐसे गे-गैंग को पकड़ा है जो समलैंगिक ऐप के जरिए गंदा खेल खेल रहा था। गे-ऐप से दोस्ती करने के बाद ब्लैकमेलिंग और यहां तक कि लूटपाट भी इस गैंग के बाएं हाथ का खेल था। नोएडा पुलिस ने गे-गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

नोएडा में चल रहे इस गंदे खेल का खुलासा ग्रेटर नोएडा की पुलिस नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने किया है। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया कि थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा समलैंगिक ऐप (ग्रिन्डर ऐप) के माध्यम से दोस्ती करके एक लाख रूपये की लूट करने वाले गे- गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से यह गिरफ्तारी की गयी है। ग्रिन्डर ऐप के माध्यम से दोस्ती करके एक लाख रूपये की लूट करने वाले अर्पित यादव पुत्र संजीव यादव व प्रिंस कुमार पुत्र शैलेन्द्र कुमार को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ग्रिन्डर ऐप के माध्यम से लड़कों को बुलाकर और उनके रूपये लूट कर फरार हो जाते थे।

आयुर्वेद, यूनानी व पंचकर्मा सेंटरों को कराना होगा पंजीकरण

गौतमबुद्धनगर (सूचि.)। जनपद में आयुर्वेद, यूनानी के निजी चिकित्सकों, पंचकर्मा सेंटर, आयुर्वेद चिकित्सालय संचालकों को चिकित्सा कार्यों के लिए 15 अप्रैल तक पंजीकरण करना होगा।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी गौतमबुद्ध नगर डा0 धर्मेन्द्र कुमार केम ने बताया कि जनपद गौतम बुद्ध नगर के समस्त निजी चिकित्सक (आयुर्वेद एवं यूनानी), पंचकर्मा सेन्टर, आयुर्वेद चिकित्सालय संचालक चिकित्सीय कार्य करने के लिए अपना पंजीकरण कार्यालय क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी गौतमबुद्धनगर ब्लॉक-6, सेक्टर 39, महिला थाना केंपस, नोएडा में कराना होगा। जिन्होंने अपना पंजीकरण पूर्व में कराया हुआ है वह अपने पंजीकरण का नवीनीकरण करा लें।

उन्होंने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया 1 अप्रैल से प्रारम्भ हो चुकी है एवं आगामी 15 अप्रैल 2025 तक पंजीकरण/नवीनीकरण आवश्यक कर लें,जो भी चिकित्सक (आयुर्वेद एवं यूनानी) बिना पंजीकरण के चिकित्सीय कार्य करते हुये पाया जायेगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

कृषि के अलावा ट्रैक्टर का व्यवसायिक उपयोग हुआ तो होगी कार्रवाई : एआरटीओ

नोएडा (चेतना मंच)। ट्रेक्टर व ट्राली का उपयोग यदि कृषि कार्यों के अलावा वाणिज्यिक कार्यों में कमाई के लिए किया गया तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। यह निर्देश एआरटीओ विभाग ने जारी किए हैं। इसी कड़ी में परिवहन विभाग गौतमबुद्ध नगर द्वारा माल ढोने वाली, अपंजीकृत ट्रैक्टर ट्रालियों पर कार्यवाही की गयी। इस दौरान डा उदित नारायण पाण्डेय, एआरटीओ प्रवर्तन, गौतमबुद्ध नगर ने बताया कि अपंजीकृत ट्रैक्टर ट्राली से ओवरलोड माल ढोने के कई नुकसान हो सकते हैं, जो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि सामाजिक और कानूनी दृष्टिकोण से भी गंभीर परिणाम लाते हैं।

ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली से सड़कों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे सड़कें जल्दी खराब हो सकती हैं। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां सड़कें पहले से ही कम मज़बूत होती हैं, यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

भारत में मोटर वाहन अधिनियम के तहत अपंजीकृत ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग और ओवरलोडिंग गैरकानूनी है। पकड़े जाने पर भारी जुर्माना, वाहन ज़ब्ती, या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, व्यावसायिक उपयोग के लिए पंजीकरण और परमिट अनिवार्य हैं, जिसके अभाव में दंड का प्रावधान है।

डीएम ने किया गेहूं की फसल कटान का स्थलीय निरीक्षण

गौतमबुद्धनगर (सूवि.)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने तहसील सदर के ग्राम बांजरपुर में गेहूं की फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने किसान प्रमोद कुमार के खेत गाटा संख्या 159 में जाकर फसल की क्रॉप कटिंग के कार्य का निरीक्षण किया एवं निरीक्षण के दौरान 10 म10 म10 त्रिकोण मीटर के क्षेत्र की गेहूं की फसल को निकलवा कर क्रॉप कटिंग के मानक के अनुसार माप करवायी, जिसमें 19.600 किग्रा0 गेहूं निकला।

जिलाधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग सभी जनपदों में किए जाते हैं और इसमें रैंडम आधार पर कुछ खेतों को चुना जाता है, जिनकी उत्पादकता का आकलन त्रिकोणीय आकृति में खेत को काटकर उससे कितनी उत्पादकता हुई है, वह देखी जाती है।

इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल बांजरपुर चांदवीर सिंह, राजस्व निरीक्षक उदयवीर सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, PI-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US : +919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1 Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308